ज्ञानामृत

यदि बहरों को सुनना है तो आवाज को बहुत जोरदार होना होगा।
भगत सिंह

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, मंगलवार, 03 मार्च 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 64 | पेज- 08 | मूल्य- 1 रुपए /-

धरसींवा और रायपुर में होली मिलन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सद्भाव, एकता और विकास के रंगों से छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाएं : विष्णुदेव

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में होली पर्व के पूर्व राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियाँ उत्सवधर्मी माहौल में दिखाई दीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को धरसींवा विधानसभा क्षेत्र तथा रायपुर प्रेस क्लब के कार्यक्रमों में शामिल होकर प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ दीं और सामाजिक सद्भाव, भाईचारे तथा विकास के संकल्प को दोहराया।

धरसींवा में विधायक अनुज शर्मा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, विश्वास और समरसता को सुदृढ़ करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है और प्रदेश को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत हाल ही में किसानों के खातों में सहायता राशि अंतरित की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का वातावरण है। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी उपस्थित जनसमूह को शुभकामनाएँ दीं। विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा तथा अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पारंपरिक फाग गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्सवमय बना दिया।

सीएम साय ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि होली समाज को जोड़ने वाला पर्व है। यह मतभेद भुलाकर नई शुरुआत का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे शांति, सद्भाव और सुरक्षित वातावरण में होली मनाएँ। राज्य में विभिन्न स्थानों पर होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को बल मिल रहा है।

इसके बाद मुख्यमंत्री रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित रंगोत्सव और महामूर्ख सम्मेलन 2026 में शामिल हुए। उन्होंने प्रेस क्लब की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक संवाद को सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। नगाड़ा बजाकर मुख्यमंत्री ने समारोह में उत्साह का संचार किया, जिसके साथ पत्रकार और अतिथि रंगोत्सव में सहभागी बने।

कृषक उन्नति योजना से बढ़ा उत्साह

कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा किसानों के खातों में हाल ही में सहायता राशि अंतरित की गई है। सरकार का दावा है कि इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है और किसानों में सकारात्मक वातावरण बना है। होली पर्व के पूर्व आर्थिक सहयोग मिलने से ग्रामीण बाजारों में खरीदारी बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि और कृषि क्षेत्र के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेस क्लब में रंगोत्सव और संवाद

रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित होली मिलन समारोह में सांस्कृतिक और सामाजिक संवाद का समन्वय देखने को मिला। पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों ने पारंपरिक फाग गीतों के माध्यम से उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है और ऐसे आयोजनों से आपसी विश्वास और सौहार्द मजबूत होता है। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

अमेरिका ने पाकिस्तानी एयरस्पेस से ईरान पर हमला किया

ईरानी कमांडर की पाक को धमकी, कहा- अगर ये सच है तो कीमत चुकानी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के 2 दिन बाद उनकी पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह का भी निधन हो गया है। मंसूरेह दो दिन पहले अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुई थीं। इसी हमले में खामेनेई मारे गए थे। ईरान की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि मंसूरेह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में देर की। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से की बात

पीएम मोदी ने यूएई के प्रेसिडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की है। पीएम ने सोशल मीडिया साइट पर लिखा, यूएई के प्रेसिडेंट, मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की। यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की और इन हमलों में हुई मौतों पर दुख जताया। भारत इस मुश्किल समय में श्व के साथ खड़ा है। यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय का ख्याल रखने के लिए उनका धन्यवाद किया। हम तनाव कम करने, इलाके में शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की पत्नी की भी मौत

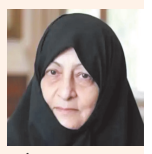

ईरान की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि देश के मृत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह ने उन चोटों से आज दम तोड़ दिया, जो उन्हें हालिया संयुक्त अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों के दौरान लगी थीं।

ट्रंप-स्टार्मर आमने-सामने, कहा-

ब्रिटिश पीएम ने एयरबेस के इस्तेमाल से रोका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला बाकी है। ट्रम्प ने कहा अमेरिका ने अभी पूरी ताकत से हमला शुरू नहीं किया है और आने वाले दिनों में कार्रवाई और तेज हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना है और उसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में देर की। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

चागोस समझौते को लेकर ट्रंप ने क्या कहा?

डिएगो कार्सिया को लेकर इस विवाद के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री के उस विवादित चागोस समझौते से समर्थन वापस ले लिया, जिसके तहत हिंद महासागर के इस क्षेत्र का स्वामित्व मॉरीशस को सौंपकर सैन्य अड्डा वापस लीज पर लेने की योजना थी। ट्रंप ने कहा, अचानक मॉरीशस ने मालिकाना हक का दावा करना शुरू कर दिया।

ईरानी राष्ट्रपति ने कार्यवाहक रक्षा मंत्री नियुक्त किया

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के जनरल माजिद एब्नेलरेजा को देश का कार्यवाहक रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब हालिया इजराइल-अमेरिका हमलों में पूर्व रक्षा मंत्री की मौत हो गई थी।

ईरानी हमले से साइप्रस में ब्रिटिश मिलिट्री बेस को मामूली नुकसान

ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार देर रात हुए इस हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

ईरान का आरोप- पाकिस्तान ने अमेरिका को हमले के लिए एयरस्पेस दिया

ईरान ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका को उसके खिलाफ हालिया सैन्य हमलों के लिए अपना एयरस्पेस इस्तेमाल करने दिया। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक सीनियर कमांडर ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने ऐसा किया है तो वह सुरक्षित नहीं रहेगा और उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

कतर के 2 एनर्जी ठिकानों पर ईरान का ड्रोन अटैक

कतर के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ईरान के दो ड्रोन देश की एनर्जी फैसिलिटी (ऊर्जा ठिकानों) पर गिरे हैं। बताया गया है कि एक ड्रोन मेसाईद में एक बिजली घर के पानी के टैंक से टकराया। दूसरा ड्रोन रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में मौजूद कतर एनर्जी की एक ऊर्जा ठिकाने पर गिरा, हमले में कोई घायल नहीं हुआ है।

अमेरिकी तेल-गैस कंपनी ने प्रोडक्शन रोका

अमेरिका की तेल-गैस कंपनी शेवरॉन ने बताया है कि इजराइल सरकार के कहने पर उसने लेवियाथन गैस फील्ड में गैस निकालने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया है। यह गैस फील्ड इजराइल के समुद्र तट के पास है और देश के सबसे बड़े गैस स्रोतों में से एक है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत-कनाडा कूटनीतिक पहल

2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और कनाडा ने संबंधों को नई गति देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता में ईरान संकट, मुक्त व्यापार समझौता और ऊर्जा सहयोग पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि व्यापक आर्थिक साझेदारी के माध्यम से वर्ष 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाया जा सकता है। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 9 अरब डॉलर है।

ईरान संकट और क्षेत्रीय स्थिरता

दोनों देशों ने स्वीकार किया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम और पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री मार्गों और वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। वार्ता में कूटनीतिक समाधान, बहुपक्षीय संवाद और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी। भारत और कनाडा ने क्षेत्रीय शांति को आर्थिक स्थिरता से जुड़ा विषय बताया।

रायपुर के डिवाइन कैफे में चंगाई सभा धर्मांतरण को लेकर बवाल, 4 गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कटोरा तालाब इलाके में डिवाइन कैफे में आयोजित एक 'चंगाई सभा' को लेकर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि सभा के दौरान ईसाई समुदाय के कुछ लोगों ने धार्मिक टिप्पणी करते हुए धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया और निजी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद हिंदू संगठनों के सदस्यों ने इसका विरोध जताया। उनका आरोप था कि हिंदू देवी-देवताओं के प्रति आपत्तिजनक बातें कही गई। विरोध के दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और नारेबाजी शुरू हो गई, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले में सैफीन, आमीन, उदय और श्रीकांत नामक चार लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के अनुसार, पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/विजयवाड़ा, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। दरअसल, पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में एआई से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था। फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसी साल जनवरी में हाइकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई।

ममता ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बनाया

अभी वोटर लिस्ट से बाहर किया, सत्ता में आने पर राज्य से बाहर करेंगे: शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में एक सभा में कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया है। उन्होंने कहा कि एक बार बीजेपी की सरकार बन जाए, तो हम बंगाल से हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे निकाल देंगे। शाह ने आगे कहा कि अभी वोटर रोल से सिर्फ घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पार्टी के पूरी बहुमत के साथ सत्ता में आने पर उन्हें राज्य से बाहर कर देंगे। अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा को संबोधित करने के दौरान ये बातें कहीं।

पश्चिम एशिया में उथल-पुथल से शेयर बाजार में भूचाल

सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा, निवेशकों की ₹6 लाख करोड़ की पूंजी साफ

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन की खबर से सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी भूचाल आ गया। संघर्ष के फैलने की आशंका से घबराए निवेशकों ने जमकर बिकवाली की, जिसके चलते दोनों बेंचमार्क सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक टूटकर गहरे लाल निशान में बंद हुए। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 पर और निफ्टी 312.95 अंक टूटकर 24,865.70 पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बेहद कमजोर रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78,543.73 तक लुढ़क गया था।

एक दिन में 6 लाख करोड़ का नुकसान

भारी बिकवाली के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 463.50 लाख करोड़ रुपये से घटकर 457 लाख करोड़ रुपये रह गया। यानी निवेशकों की संपत्ति में एक ही दिन में करीब 6 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 7,536.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान बेस पर अफगानिस्तान का हमला

मारे गए 35 पाकिस्तानी सैनिक

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई से दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट, 21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस, 9 लोग गिरफ्तार

इलाज के दौरान दो ने दम तोड़ा, मृतक संख्या 19 हुई

नागपुर (महाराष्ट्र), एजेंसी

महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करने के लिए परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने लिए जा रहे हैं।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

विद्यालय मे चारदिवारी की मांग का लेकर प्रयोजन डीएवी पालक समिति द्वारा पूर्व विधायक को ज्ञापन

डीएवी मुख्यमंत्री टिकुलिया के पालकों द्वारा शिवरतन शर्मा को ज्ञापन

विजय मत, भाटापारा

शैक्षणिक परिदृश्य वर्तमान मे सर्वाधिक चर्चा का विषय बना हुआ है तथा भाटापारा मे विभिन्न बानगी के माध्यम से विद्यालय परिदृश्य की समीक्षा का दौर जारी है तथा एक व्यवस्थित एवं सुरक्षित परिस्थिति की मांग तेजी से उठती हुई प्रतीत हो रही है जिसके चलते अभावों के उजागर होने एवं प्रभावों के स्थापित होने की आकांक्षा तेजी से बलवती होती हुई जान पड़ रही है जिससे विद्यालय मानकों मे खरा उतरते जान पड़ें तथा मापदण्डों के पूर्णता के दर्शन हो सके,इसी कड़ी मे सरकार तथा डीएवी के सम्मलित सहयोग से संचालित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल टिकुलिया मे एक महत्वपूर्ण एवं बुनियादी जरुरत के अभाव को दूर करने की आकांक्षा तेजी से उठती हुई प्रतीत हो रही है।

बाउण्ड्री वाल के अभाव की बानगी

किसी भी विद्यालय को व्यवस्थित एवं सुरक्षित स्वरुप प्रदान करने मे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है चारदीवारी की जिससे विद्यालय व्यवस्थित ही नजर नही आता वरन सुरक्षा का वातावरण भी निर्मित होता है,लेकिन विडम्बना है कि संस्कारमय शिक्षा के अहम केन्द्र डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल टिकुलिया मे इसका अभाव नजर आता है जिसके चलते विद्यालय परिक्षेत्र के अतिक्रमण का खतरा बना हुआ है वहीं व्यवस्थित एवं सुरक्षित स्वरुप मे भी एक तरह से बाधा की स्थिति निर्मित होती हुई प्रतीत होती है।

लंबे समय से उठ रही है मांग

इस महत्वपूर्ण एवं बुनियादी जरुरत की पूर्णता के लिए लंबे समय से मांग उठ रही है संस्था प्रमुख एस के सिंह द्वारा इस दिशा मे निरंतर प्रयास किया जा रहा है लेकिन अपेक्षित परिणाम अभी तक नहीं आये है,सीमांकन का कार्य तो संपन्न हो गया है लेकिन बाउण्ड्री वॉल का निर्माण अभी भी दूर की कौड़ी बनी हुई है।

पालक समिति द्वारा पूर्व विधायक को ज्ञापन

संस्था प्रमुख द्वारा समय समय पर प्रशासन एवं जनप्रतिनिधिगणों को चारदीवारी निर्माण की महत्वपूर्ण जरुरत से अवगत कराते हुए बाऊन्ड्री वॉल निर्माण की मांग उठाई जा रही है,इसी कड़ी मे गणतंत्र दिवस आयोजन के दौरान पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के समक्ष पालक समिति के सदस्यों द्वारा बाउण्ड्री वॉल निर्माण की मांग दुहराई गयी, जिस पर पूर्व विधायक द्वारा संवेदना पूर्ण संज्ञान लेते हुए भरसक प्रयास का आश्वासन दिया गया, अब देखना यही है कि इस दिशा मे ठोस कदम के आगाज के दर्शन कब होते है एवं विद्यालय के इस महत्वपूर्ण जरुरत की पूर्ति कब होती है, ज्ञापन सौंपने मे सरपंच अजय संतोषी साहू समिति के अध्यक्ष एस के सिंह सहित सदस्यगणों मे मुकेश शर्मा सरिताराणी शर्मा, उमेश गुप्ता,दामिनी साहू, उषा साहू,ओम प्रकाश वर्मा, टिकेश्वरी साहू,देवकी साहू, रामनारायण वर्मा,कृष्णा साहू,कविता साहू, संपति साहू, निशि जैन, विष्णु मंडावी, रेशमा साहू,आदि की अहम भागीदारी रही।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत गांवों में चौपाल लगाकर मजदूरों से सीधे संवाद कर रही विधायक चातुरी नंद

मुंडपहार एवं कुसमीसरार में आयोजित हुआ चौपाल

विजय मत, सरायपाली

मजदूरों के हितों की रक्षा एवं उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए सतत संघर्ष के संकल्प के साथ आज मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुंडपहार एवं कुसमीसरार में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जनचौपाल में महासमुंद जिले के अभियान प्रभारी कन्हैया अग्रवाल के साथ क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक चातुरी नंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चातुरी नंद ने कहा कि मनरेगा मजदूरों की आजीविका, सम्मान और रोजगार की गारंटी से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है, जिसे कमजोर करने के किसी भी प्रयास का कांग्रेस पार्टी डटकर विरोध करेगी। मजदूरों को समय पर रोजगार, पूरी मजदूरी और उनके अधिकार दिलाने के लिए कांग्रेस सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार ने मनरेगा कानून में बदलाव कर मजदूरों के अधिकारों को कुचलने का काम किया है। पूंजीवादी भाजपा सरकार शुरू से ही मजदूरों का शोषण कर रही है और इसी कड़ी में मनरेगा कानून में बदलाव कर मजदूरों के हक पर डाका डालने का काम किया है। कार्यक्रम को महासमुंद जिले के अभियान प्रभारी कन्हैया अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से मनरेगा शुरू की थी। मनरेगा के माध्यम से विगत कई वर्षों से मजदूरों को रोजगार देने का काम किया जा रहा था परंतु नए कानून में बदलाव कर उन प्रावधानों को शिथिल किया गया है जिससे मजदूर अब रोजगार से वंचित होंगे। चौपाल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छुईपाली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तन्मय पंडा, मण्डल अध्यक्ष रूपानंद पटेल, हीरालाल साहू, निर्मल प्रधान, सत्यनंद साहू, विनोद साहू, महेंद्र महापात्र, दीपक साहू (विधायक प्रतिनिधि), भरत मेश्राम, डुमरपाली सरपंच प्रतिनिधि, गोकुल भोई (भूतिया सरपंच), श्याम सुंदर पंडा, सुशील प्रधान, सेसदेब बेहरा, धनेश्वर चौधरी, शिव प्रसाद बारिक, जयकृष्ण चौधरी, सुशील चौधरी, चमरू भोई, सुरेन्द्र साहू, सुरेन्द्र साहू (बाबा), हरीश साहू, दिब्यकिशोर भोई, विनय पटेल, गोपरंजन बाघ, सुब्रत साहू (विक्की), चित्रसेन बीसी सहित बड़ी संख्या में कर्मठ कार्यकर्ता, मजदूर एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा और मनरेगा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

ग्यारह दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ का हुआ समापन, यज्ञ समिति ने जताया सभी सहयोगियों आगन्तुकों का आभार

विजय मत, बलौदाबाजार

जिला मुख्यालय के यज्ञ स्थल दशहरा मैदान मे 19 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित ग्यारह दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ का पूर्णाहूति कलश विसर्जन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन हो गया। लगातार ग्यारह दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान मे स्थानीय कलाकारों के साथ अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। 16 वेदपाठी आचार्यों की देखरेख मे यज्ञ के यजमान उमा दिनेश शर्मा सविता शिव प्रकाश तिवारी द्वारा ग्यारह दिनों तक संपूर्ण विधि विधान व्रत नियम पालन करते हुए विश्व कल्याण और क्षेत्र की सुख समृद्धि शांति के लिए किए गए इस महायज्ञ का हजारों धर्मानुरागियों ने पुण्य लाभ ग्रहण किया। यह महायज्ञ आयोजन का पांचवा वर्ष है बिना किसी बाधा के यह अनुष्ठान प्रतिवर्ष संपन्न हो इसके लिए यज्ञ स्थल मे पक्के यज्ञ शाला का निर्माण समिति के द्वारा बाउंड्रीवाल एवं दो कमरों का निर्माण तत्कालीन नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया की अनुशंसा पर नगरपालिका द्वारा तथा इस वर्ष केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा प्रवचन कथा मंचीय कार्यक्रम के लिए सभागार का निर्माण यज्ञ समिति के सदस्यों की मांग पर करवाया गया है।

धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जनसेवा समिति बलौदाबाजार के अध्यक्ष विवेक आनंद तिवारी ने समिति के सक्रिय सदस्यों उपाध्यक्ष मोतीलाल वर्मा सचिव सपन केशरवानी कोषाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र अग्रवाल संरक्षक अशोक कुमार तिवारी पं.द्वारिका प्रसाद शास्त्री श्यामसुंदर केशरवानी विद्याभूषण शुक्ला महेंद्र वर्मा प्यारेलाल सेन सुरेंद्र जायसवाल प्रेम नारायण केशरवानी प्रमोद शुक्ला खोडसराम कश्यप सुंदर साहू अशोक जैन प्रमोद शर्मा वरूमल हरिरमानी राजनारायण केशरवानी के एस तिवारी टेशुलाल धुरंधर सहसचिव विनय गुप्ता आशीष मिश्रा सहकोषाध्यक्ष संजय नारायण केशरवानी संयोजक शिवप्रकाश तिवारी नवनीत अग्रवाल हेमंत वर्मा अमित केशरवानी अभिषेक तिवारी मिकी वासुदेव ठाकुर आयुष बरनवाल रवि यादव पीयूष मिश्रा राजेश केशरवानी गजेंद्र देवांगन कार्यकारिणी सदस्य दीपकुमार बाजपेयी महेश ठाकुर नीलम दीक्षित कृष्णानंद अग्रवाल उमेश यादव गार्गीशंकर बाजपेयी अक्षर अग्रवाल योगेश शुक्ला पवन जायसवाल अरविंद मिश्रा सेवकराम धीवर वीरेंद्र शर्मा अशोक गुप्ता राजेश साहू नगर की मातृशक्ति एवं नन्हे धर्मानुरागी कार्यकर्ताओं जिन्होनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवाएं दीं।

उन सभी के साथ बलौदाबाजार राईसमिल एशोसियेशन के सदस्यों व्यापारियों उद्यमियों नगरवासियों ग्रामवासियों शासन प्रशासन सभी समाज प्रमुखों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मानवता का महामंत्रः इंसान बाद में, हम सबसे पहले 'जीव' हैं : पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी

विजय मत, बलौदाबाजार

रिसदा रोड पर आयोजित जैन समाज के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में आस्था, भक्ति और संस्कारों का अनूठा संगम देखने को मिला। नवनिर्मित भव्य जैन मंदिर के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में जन सैलाब उमड़ पड़ा है। जैन समाज के प्रचार प्रसार मंत्री अनीश जैन ने बताया कि कार्यक्रम के शुरुआती दिनों में गर्भ कल्याणक और जन्म कल्याणक के पश्चात अब तप कल्याणक पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

तप और केवल ज्ञान का जीवंत चित्रण महोत्सव के दौरान आदिनाथ भगवान की कठिन तपस्या और उसके पश्चात केवल ज्ञान प्राप्ति के दिव्य दृश्यों का मंचन किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। भक्ति की इस धारा में संयम काल की महा आरती का सौभाग्य स्व. नेमीचंद छाबड़ा के परिवार (दिनेश जैन) को प्राप्त हुआ। वहीं, शांति धारा की बोली का सौभाग्य तुषार पाटनी एवं कन्हैयालाल सेठी को प्राप्त हुआ। भगवान के बाल सखाओं के मनमोहक दृश्यों (बाल सभा) की बोली का सौभाग्य नरेंद्र शोभा जैन को और पद प्रक्षालन का पुण्य लाभ अखिलेश-मधु पाटनी परिवार को मिला।

आचार्य का मानवतावादी संदेश- पट्टाचार्य 108 विशुद्ध सागर महाराज ने अपने ओजस्वी प्रवचन में मानवता का सूत्र देते हुए कहाः

हमें धर्म, जाति, संप्रदाय और अमीर-गरीब की संकीर्णता से ऊपर उठना चाहिए। सदैव यह याद रखें कि हम सबसे पहले एक जीव हैं। जीव मात्र के प्रति दया और करुणा ही धर्म का वास्तविक आधार है।

दिग्गजों ने टेका मत्था- इस आध्यात्मिक उत्सव में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संगठन महामंत्री अजय जामवाल, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल सहित कई पद अधिकारी ने शिरकत की। नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने सामाजिक सेवा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों के संवाहक होते हैं।

सुचारू प्रबंधन और गरिमामयी उपस्थिति- पंडित धर्मचंद शास्त्री के कुशल विधि-विधान से पूरा कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन एवं सचिव अमित जैन ने अतिथियों का सम्मान किया।

कंवर पैकरा समाज का सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

विजय मत, कुरूद

पुरानी मंडी परिसर में आदिवासी कंवर पैकरा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर कंवर समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों को बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दिया, कुरूद पाली धमतरी जिला अंतर्गत कंवर पैकरा समाज के सम्मेलन से जुड़े सदस्यों के द्वारा यह आयोजन कंवर समाज के लिए एकता और अखंडता के लिए मिशाल पेश किये, समाज द्वारा विभिन्न समाजहित मे विभिन्न निर्णय लिए गये, इस अवसर पर समाजिक पदाधिकारियों-सदस्यों को आश्वस्त किया कि हमारे छत्तीसगढ़ मे विष्णुदेव के सुशासन सरकार प्रदेश के मुखिया होने के साथ साथ आदिवासी समाज के गौरव है, हमारे पार्टी के लिए भी गौरव है इस भाव को लेकर कुरूद नगर और क्षेत्र के नागरिकों को मा. अजय चन्द्राकर के संरक्षण और मार्गदर्शन मे समाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यो सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी चहुंओर विकास किया जा रहा है, आदिवासी समाज, कंवर समाज पुरे देश में सीधेपन के लिए जाने जाते है, आप लोगो के दर्शन करने का सौभाग्य मिला, आप सबने स्वागत-वंदन किए इसके लिए कुरूद नगर के जनता की ओर से कृतज्ञता व्यक्त करती हूं !

किरन्दुल श्री राघव मंदिर की पुराने खंडित शिवलिंग को गोदावरी नदी में किया गया विसर्जित

किरंदुल। लौह अयस्क की खदानों के लिए पहचान रखने वाली दंतेवाड़ा जिले की किरंदुल नगरी इन दिनों भक्ति रस में डूबी हुई हैं। 50-50 पैसे के अंशदान से बना ऐतिहासिक श्री राघव मंदिर अब एक नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है,जहाँ नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी शुरू हो गई है। बैलाडीला की लाल लौह पहाड़ियों के नीचे बसा किरंदुल जहाँ आस्था और श्रमिक एकता की एक अनोखी मिसाल है श्री राघव मंदिर। एनएमडीसी में उत्पादन शुरू होने के दौर,यानी 1969 में श्रमिकों ने 50-50 पैसे का अंशदान और श्रमदान कर जंगलों के बीच इस मंदिर की नींव रखी थीं।1972 में विधिविधान से प्राण प्रतिष्ठा हुई और समय के साथ यह मंदिर बस्तर संभाग के प्रमुख श्रीराम मंदिरों में गिना जाने लगा।लेकिन हाल ही में वर्षों पुराना शिवलिंग खंडित हो गया।

आदिवासी अंचल की बेटी बनी नारी शक्ति की पहचान

विजय मत, सुकमा

सुकमा जिले के ग्राम पाकेला की आदिवासी बेटी एवं छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्या अधिवक्ता दीपिका शोरी को महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, सामाजिक सेवा और नारी गरिमा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर में भारतीय स्त्री शक्ति छत्तीसगढ़ प्रान्त द्वारा प्रदेश स्तरीय सावित्रीबाई फुले सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें विशेष रूप से आदिवासी एवं वंचित अंचलों में वर्षों से किए जा रहे जमीनी कार्यों के लिए प्रदान किया गया। बस्तर और सुकमा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में दीपिका शोरी ने बालिका शिक्षा, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न एवं सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष करते हुए महिलाओं में न्याय, आत्मविश्वास और जागरूकता का संचार किया है। एक अधिवक्ता एवं महिला आयोग की सदस्या के रूप में उन्होंने ग्रामीण व दूरस्थ इलाकों में जनसुनवाई, परामर्श शिविर और जागरूकता अभियानों के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन आदिवासी महिलाओं और बेटियों की जीत है, जिनके अधिकारों और सम्मान के लिए वे लगातार संघर्षरत हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे ग्राम गिरहोला एवं खपरी

खेत भ्रमण, पौधारोपण और किसान संवाद के माध्यम से आधुनिक कृषि को मिला नया संबल

विजय मत,दुर्ग

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार, 31 जनवरी 2026 को दुर्ग जिले का एक दिवसीय प्रवास पर रहें। इस दौरान उन्होंने ग्राम गिरहोला एवं खपरी में खेत भ्रमण, वृक्षारोपण तथा किसान संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया। दौरे का मुख्य उद्देश्य किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर आधुनिक कृषि तकनीकों, केंद्र सरकार की योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करना रहा। ग्राम गिरहोला में वृक्षारोपण से दौरे की हुई शुरुआत- केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान सर्वप्रथम ग्राम गिरहोला पहुंचे, जहां उन्होंने आम के पौधे का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन आर्थिक लाभ का भी स्रोत बन सकता है। वृक्षारोपण के पश्चात् केंद्रीय मंत्री ने यहां उन्होंने कृषि फार्मों में अपनाई जा रही नवीन खेती तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं उत्पादन पद्धतियों का गहन अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री चौहान ने स्थानीय किसानों से सीधी बातचीत की और बागवानी फसलों में आ रही समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन दिया। किसानों ने भी अपने अनुभव, सुझाव एवं चुनौतियां साझा कीं, जिन पर मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

खपरी में अनिल कृषि फार्म का दौरा एवं किसान संवाद- इसके पश्चात् केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान, ग्राम खपरी के अनिल कृषि फार्म पहुंचे, जहां उन्होंने खेतों का निरीक्षण किया और स्थानीय किसानों से संवाद किया। खपरी में आयोजित बैठक में किसानों एवं अधिकारियों के साथ कृषि संबंधी समस्याओं, उत्पादन लागत, विपणन एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

किसान चौपाल में हुआ प्रेरक कृषक संवाद- किसान चौपाल में आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सर्वप्रथम प्रगतिशील किसानों को बधाई दी। उन्होंने किसानों से संवाद की शुरुआत करते हुए पूछा कि पहले कौन-सी खेती की जाती थी, उससे कितना लाभ होता था और अब बागवानी खेती से कितना फायदा हो रहा है। किसानों ने बताया कि धान की पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी फसलों से अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ, 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026 शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न

विजय मत, नारायणपुर

जिला प्रशासन नारायणपुर एवं नारायणपुर पुलिस के समन्वय में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026 का हाईस्कूल परिसर, नारायणपुर से भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा सांकेतिक दौड़ लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। नारायणपुर से बासिंग तक 21 कि.मी. दूरी में आयोजित इस मैराथन में 10,000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें 60 से अधिक विदेशी धावक भी शामिल रहे। नारायणपुर पुलिस द्वारा की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन के चलते आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

इससे पहले अबूझमाड़ खेल महोत्सव के अंतर्गत पहले वालीबाल, फुटबॉल प्रतियोगिता एवं अबूझमाड़ बैडमिंटन लीग का भी आयोजन किया गया था। साथ ही सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया था जिसमें मलखंभ अकादमी द्वारा प्रस्तुति दी गई और साथ ही साथ ड्रोन एवं लेजर शो का आयोजन भी किया गया था।

मैराथन का आयोजन चार श्रेणियों में किया गया था – नारायणपुर श्रेणी (पुरुष/महिला), बस्तर श्रेणी (पुरुष/महिला), ओपन श्रेणी (पुरुष/महिला), टीम रन (चार सदस्यीय टीम, प्रथम धावक महिला अनिवार्य)

प्रतियोगिता परिणाम - ओपन श्रेणी - पुरुष- प्रथम फिरोम्सा अरावसुतार - इथियोपिया, द्वितीय अक्षय कुमार - मेरठ (उ.प्र.), तृतीय टेबेजे किनेटो - इथियोपिया, चतुर्थ संदीप कुमार ध्रुव - सिहावा, जिला धमतरी, पंचम मेघनाथ यादव - राजनांदगांव

ओपन श्रेणी - महिला - प्रथम मुन्नी देवी - सांडवा, भिवानी (हरियाणा), द्वितीय वंदना - वाराणसी (उ.प्र.), तृतीय इडा जेरोटिच - इथियोपिया, चतुर्थ बसंती कुमारी - जमशेदपुर (झारखंड), पंचम दशोदा सिक्का - दुर्ग।

बस्तर श्रेणी - पुरुष - प्रथम मंकू राम नाग - कोंडागांव, द्वितीयमनोज करटाम - बीजापुर, तृतीय फूलधर नेताम - कोंडागांव, चतुर्थ दासी राम मंडावी - कोंडागांव, पंचम संजय कोरटाम - कोंडागांव।

बस्तर श्रेणी - महिला - प्रथम प्रमिला मंडावी - लोहंडीगुड़ा, बस्तर, द्वितीय कुमली पोयाम - जगदलपुर, तृतीय कुसुम शार्दुल - बस्तर, चतुर्थ कंचन नेताम - कांकेर, पंचम संतोषी भंडारी - बीजापुर।

नारायणपुर श्रेणी - पुरुष - प्रथम रस्सू - कौशलनार द्वितीय विजय उसेंडी - ओरछा तृतीय तेजेश्वर करंगा - देवगांव चतुर्थ धनसिंह वड्डे - नारायणपुर पंचम जयसिंह कुमेटी - खड़कगांव

नारायणपुर श्रेणी - महिला - प्रथम रीना उइके - लापसी, नारायणपुर, द्वितीय सानी सलाम - बोरावंड, तृतीय लता मंडावी - धुतखर, चतुर्थ शांति कचलाम - नारायणपुर, पंचम उर्मिला करंगा - नारायणपुर,

टीम रन - प्रथम भिलाई स्टील सिटी टीम, द्वितीय दुर्ग रनर्स, तृतीय डीआरजेड (दल्ली राजहरा), चतुर्थ सुकमा टीम, पंचम जगदलपुर बस्तर टीम।

पुरस्कार राशि- ओपन श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 1,00,000/- एवं टीम रन में प्रथम टीम को 50,000/- नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि पुनर्वास योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौट चुके लगभग 140 पुनर्वासित पूर्व माओवादी युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक मैराथन में सहभागिता की।

संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत दंतेवाड़ा में बैठक का आयोजन किया गया

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयं संघ कार्य के 100 वर्ष पूर्ण शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में 5 कार्य सामाजिक सद्भाव बैठक खंड एवं नगर दंतेवाडा में संपूर्ण निवासरत सामाजिक परिवारों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का प्रारम्भ माई दंतेश्वरी एवम भारत माता के पूजा अर्चना के साथ किया गया। मौके पर सामाजिक सदभाव प्रमुख, बीरबल ठाकुर एवं मुख्य वक्ता विभाग कमलेश, नगर संघ चालक वेणु गोपाल उपस्थित रहें साथ ही समस्त समाज प्रमुखों के द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए सर्व समाज को एक होकर अपनत्व के भाव से कार्य करने हेतु संकल्प लिया।साथ ही ऐसी बैठक प्रत्येक माह में होना सर्वसम्मति से करना तय किया गया। इस अवसर पर सभी समाज प्रमुखों एवं सदस्यगण उपस्थित रहें।

विधायक भावना बोहरा ने पैर पखारकर किया स्वागत, आस्था की रक्षा जरूरी : विधायक बोहरा

14 परिवारों के 66 सदस्यों ने की घर वापसी

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में धर्मांतरण के मुद्दों के बीच अब 'घर वापसी' का अभियान तेज होता जा रहा है. पंडरिया विधायक भावना बोहरा की विशेष पहल पर दमगढ़ क्षेत्र के चार गांवों के 14 परिवारों ने ईसाई धर्म छोड़कर अपने मूल सनातन धर्म में वापसी की है. इस कार्यक्रम में कुल 66 सदस्यों का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत किया गया.

पैर पखारकर किया गया स्वागत

धर्मवापसी के इस विशेष कार्यक्रम में विधायक भावना बोहरा ने खुद परिवारों का स्वागत किया. इस दौरान लौटने वाले सदस्यों के पैर पखारकर उन्हें सम्मान दिया गया और उपहार भेंट किए गए. स्थानीय लोगों का कहना है कि ये परिवार लंबे समय से ईसाई मिशनरियों के संपर्क में थे, लेकिन अब उन्होंने स्वेच्छा से अपने मूल धर्म की ओर लौटने का निर्णय लिया है.

भ्रम और लालच का आरोप

क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि मिशनरी एजेंट अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी का फायदा उठाते हैं. भोले-भाले आदिवासियों को बीमारी ठीक करने और आर्थिक सहायता जैसे प्रलोभन देकर भ्रमित किया जाता है. कई परिवारों ने स्वीकार किया कि वादे पूरे न होने और अपनी मूल संस्कृति से कटने के कारण वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे.

विधायक भावना बोहरा ने इस मौके पर कहा, आदिवासी समाज की आस्था और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करना हमारी

प्राथमिकता है. यह अभियान किसी के विरोध में नहीं है, बल्कि उन लोगों को सही जानकारी देकर वापस लाने का प्रयास है जो किसी भ्रम या लालच में अपना मूल विश्वास छोड़ चुके थे. उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है ताकि कोई उन्हें गुमराह न कर सके.

अब तक 265 लोगों की हुई घर वापसी

रिकॉर्ड के अनुसार, पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 265 लोग सनातन धर्म में वापस लौट चुके हैं.

इस गतिविधि ने इलाके में एक नई सामाजिक और राजनीतिक चर्चा छेड़ दी है. समर्थकों का मानना है कि इससे क्षेत्र की सांस्कृतिक एकजुटता मजबूत होगी।

सरकारी शराब दुकानों में कर्मचारियों के वेतन कटौती का आरोप

युवा कांग्रेस ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग, जिला आबकारी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

विजय मत, रायपुर

जिले की सरकारी शराब दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन से हर माह 10,000 की कथित अवैध कटौती का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कागज़ों में कर्मचारियों को पूरा वेतन भुगतान दिखाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता में उनके बैंक खातों में कम राशि जमा की जा रही है। इस मामले को लेकर युवा कांग्रेस ने जिला आबकारी अधिकारी, रायपुर को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

युवा कांग्रेस उत्तर विधानसभा अध्यक्ष नवाज़ खान ने बताया कि बीते

दो महीनों से शराब दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन से लगातार अवैध रूप से राशि काटी जा रही है।

विभागीय अभिलेखों में पूरा भुगतान दर्शाया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों को वास्तविक रूप से पूरा वेतन नहीं मिल रहा। कटौती की गई राशि के संबंध में न तो कोई लिखित आदेश दिया जा रहा है और न ही कोई स्पष्ट कारण बताया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में बिल पास करने से लेकर भुगतान प्रक्रिया तक में गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं।

कागज़ों में पूर्ण भुगतान दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है, जो संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। जब कर्मचारियों ने इस अवैध कटौती पर सवाल उठाए, तो उन्हें नौकरी से हटाने की धमकी दी गई और विभागीय स्तर पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। युवा कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि पूरे प्रकरण की सात दिवस के भीतर निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही जांच रिपोर्ट की प्रति संगठन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके अर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

नवाज़ खान ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो युवा कांग्रेस इस कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

इस मामले के सामने आने के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मां दंतेश्वरी के दरबार में खुलीं दान पेटियां: 19 लाख कैश के साथ निकली चिट्ठियां, किसी ने नौकरी तो किसी ने अपने प्यार को पाने की लगाई गुहार

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी का दरबार सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि लाखों दिलों की उम्मीदों का ठिकाना भी है। जब मंदिर की 9 दान पेटियां खोली गईं तो उनमें करीब 19 लाख रुपये कैश तो मिले ही, लेकिन इन पैसों के साथ चिट्ठियां भी निकलीं, जिनमें श्रद्धालुओं ने अपने दिल का हाल माता तक पहुंचाया था। किसी ने कांपते हाथों से नौकरी की आस लिखी तो किसी ने टूटे मन से अपने प्यार को पाने की गुहार लगाई। किसी ने परीक्षा पास कराने की प्रार्थना की तो किसी ने बीमारी से जूझते परिवार के लिए राहत मांगी। हर चिट्ठी अपने आप में संघर्ष, भरोसे और उम्मीद की एक कहानी थी। एक युवती ने माता को

लिखे पत्र में भरोसे से कहा, मां आपके दरबार से कोई खाली हाथ नहीं जाता। नौकरी के लिए आवेदन भरा है, परीक्षा होने वाली है। पास करवा दीजिए, नौकरी लगवा दीजिए। उसी पत्र में उसने अपने प्रेम का भी जिक्र किया और लिखा कि मैं एक लड़के से प्यार करती हूं। हमारे घरवाले मान जाए, हम दोनों की शादी हो जाए। मां, हम पर अपना आशीर्वाद बनाए रखना। वहीं दो पन्नों में लिखे एक अन्य पत्र में एक परिवार की पूरी पीड़ा उकेरी गई थी। पत्र में लिखा था कि घर में कमाने वाला सिर्फ एक ही है, उसी पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। दूसरे रिश्तेदार ने नौकरी की परीक्षा दी है, उसका भी नौकरी लग जाए। बीमारी से जूझ रहे परिजनों के लिए स्वस्थ होने की मन्नत भी उसी चिट्ठी में मांगी गई थी।

एक और भक्त ने बेहद भावुक शब्दों में अपने टूटे प्रेम की कहानी लिखी। उसने बताया कि वह जिस लड़की से प्रेम करता था, पारिवारिक मजबूरियों के चलते दोनों अलग हो गए। पत्र में लिखा था कि, मां मैं उसी के साथ अपना पूरा जीवन बिताना चाहता हूं। वो जैसी भी हो, अच्छी या बुरी, मेरा सब कुछ उसी को समर्पित है।

सार समाचार

पोटाकेबिन में 'वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट' के जरिए लहलहा उठी बगिया

विजय मत/रायपुर। जिला प्रशासन के स्किल डेवलपमेंट और पर्यावरण संरक्षण के विजन को धरातल पर उतारते हुए कोण्टा ब्लॉक मुख्यालय में स्थित शासकीय बालक हाईस्कूल (पोटाकेबिन) ने एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है। यहाँ के प्राचार्य और शिक्षकों ने सीमित संसाधनों और पानी की कमी के बावजूद श्वेस्ट वाटर मैनेजमेंटश की ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसने न केवल 100 पौधों को जीवनदान दिया है, बल्कि छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षा का एक नया द्वार भी खोल दिया है। संस्था परिसर के समीप स्थित एकलव्य विद्यालय से व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को सहेजने के लिए प्राचार्य ने एक अनूठी कार्ययोजना बनाई। संसाधनों की कमी को आड़े न आने देते हुए, प्राचार्य और उनके सहयोगी शिक्षकों ने श्कबाड़ से जुगाड़श तकनीक का उपयोग किया।

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत मंत्रालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण

विजय मत/रायपुर। राज्य शासन के कर्मचारियों को क्षमता निर्माण के लिए मिशन कर्मयोगी के तहत कौशल और योग्यता को बढ़ाने प्रशिक्षिण दिया जा रहा है। मंत्रालय महानदी भवन में आज से दो दिवसीय प्रशिक्षण 2 से 3 फरवरी तक आयोजित किया गया है। जिसमें मंत्रालय महानदी भवन में कार्यरत संयुक्त सचिव से लेकर सभी स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के जरिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतत सीखने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। अधिकारी कर्मचारियों को यह प्रशिक्षण सामान्य प्रशासन विभाग सचिव के मार्गदर्शन में अवर सचिव सुश्री अंजु सिंह द्वारा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मंत्रालय स्तर पर क्षमता निर्माण एवं डिजीटल दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

राजधानी में तीन दुकानों से लाखों रुपये चोरी : चोरों ने ताले और छप्पर को तोड़कर गल्ले से उड़ाए पैसे

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर में बेखौफ चोरों ने एक ही रात में तीन दुकानों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात चोरों ने ताले और छप्पर तोड़कर करीब 7 लाख रुपये नगदी पर हाथ साफ कर दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

बताया जा रहा है कि मुंह में कपड़ा बांधकर दुकानों में घुसे चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे कैमरों के फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, लाभांडी निवासी शिव कुमार वर्मा (70) की पंडरी स्थित लब-डब

नामक कपड़े की दुकान से चोरों ने गल्ले में रखे करीब 2 लाख 75 हजार रुपये चोरी कर लिए। शिव कुमार वर्मा ने बताया कि 31 जनवरी की रात करीब 10 बजे वे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन 1 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे जब दुकान खोली, तो गल्ले का दराज खुला मिला और नगदी गायब थी। जांच में सामने आया कि चोर छप्पर की टिन शेड तोड़कर दुकान के भीतर दाखिल हुए थे। इसी तरह पास ही स्थित नोवा फर्नीचर दुकान में भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। यहां छप्पर तोड़कर घुसे चोरों ने गल्ले में रखे करीब 1 लाख 40 हजार रुपये नगद चोरी कर लिए।

वहीं तीसरी वारदात डिजाइनर सेनिटेशन एंड हार्डवेयर दुकान में हुई, जहां से चोर करीब 2 लाख 85 हजार रुपये नगद लेकर फरार हो गए। तीनों दुकानों से कुल मिलाकर करीब 7 लाख रुपये की नगदी चोरी होने की बात सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित कारोबारियों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने दुकानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी मुंह ढंककर दुकानों में घुसे, चोरी की और फरार हो गए।

महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण को अहम जगह देकर नारी शक्ति के एजेंडे को आगे बढ़ाया गया है : मनीषा

विजय मत, रायपुर

सुहिणी सोच संस्था की फाउंडर मनीषा तारवानी ने बजट 2026 में अपनी प्रतिक्रिया जारी करते हुए बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट में महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण को अहम जगह दी है। नारी शक्ति के एजेंडे को आगे बढ़ाया गया है।

उन्होंने बताया कि जैसे सरकार हर जिले में एक गर्ल्स होस्टल स्थापित करेगी ताकि कॉलेज-जॉब के लिए लड़कियों को सुरक्षित और सस्ता आवास मिल सके। इससे विशेषकर ग्रामीण-शहरों के बीच शिक्षा में भागीदारी बढ़ेगी। महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर

इससे महिला उद्यमियों के लिए कम्युनिटी-आधारित रिटेल आउटलेट शुरू होंगे। यह उन महिलाओं को मदद देगा जो अपने उत्पादों को बाजार तक पहुँचाना चाहती हैं और व्यवसाय को बढ़ाना चाहती हैं। लखपति दीदी का विस्तार - पिछले साल की लाखपति दीदी योजना का विस्तार होगा और लक्षित संख्या 5 करोड़ महिलाओं तक बढ़ाई जा रही है। कौशल प्रशिक्षण और स्वास्थ्य में लगभग 1.5 लाख बहु-कुशल केयरगिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिससे महिलाओं को नौकरियों के अच्छे अवसर मिलेंगे। सेंट्रल प्रोग्राम से गर्भावस्था-केयर जैसे स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किया जाएगा और संभवतः साइटोलोजिकल/सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण का प्रावधान भी प्रस्तावित है।

कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव: मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ विकसित प्रदेश बनने तेजी से अग्रसर

संत समागम समारोह की राशि 50 लाख से बढाकर 75 लाख करने की घोषणा

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को बहुत आगे ले जाना है और विकसित प्रदेश के रूप में खड़ा करना है। उन्होंने संत समागम समारोह दामाखेड़ा की राशि 50 लाख रुपए से बढाकर 75 लाख रुपए करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कल रविवार को कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सतगुरु कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पंथ श्री उदित मुनि नाम साहेब,पंथ श्री प्रकाश मुनि नाम साहब को चादर श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय माघ पूर्णिमा की शुभकामनायें देते हुए कहा कि कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा का संत समागम समारोह हर साल भव्य होते जा रहा है जो लोगों में बढ़ते आस्था का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कबीरपंथ का छत्तीसगढ़

के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है इसलिए यहां के लोग शांति प्रिय है। उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही कबीर पंथ से परिचित है और उनके गांव बगिया में भी 8-10 कबीर पंथी परिवार है। उन्होंने दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर करने के संबंध में बताया कि राजपत्र में प्रकाशन हेतु अंतिम प्रक्रिया जारी है। साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छतीसगढ़ के विकास की बाधा की नक्सलवाद अब जल्द ही जड़ से समाप्त होने वाला है। नक्सलवाद का प्रदेश से 31 मार्च 2026 तक समूल नष्ट हो जाएगा। हमने जनता से किया वादा को तेजी से पूरा किया है।

अंजना की जुनून के आगे बढ़ने में पति का रहा साथ

डस्टबिन से उद्योग तक अंजना उरांव की आत्मनिर्भरता की उड़ान

विजय मत, रायपुर

कभी-कभी जीवन की दिशा बदलने के लिए किसी बड़े मंच, बड़े अवसर या बड़े संसाधन की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक डस्टबिन में पड़ा कागज का टुकड़ा भी जीवन की करवट बदल देता है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव की कहानी इसी सच्चाई को सशक्त रूप से सामने रखती है, जो कड़ी मेहनत और लगन से ही स्थायी सफलता हासिल की।

अंजना उरांव कोई उद्योगपति परिवार से नहीं आतीं, न ही उनके पास पूंजी, सिफारिश या विशेष प्रशिक्षण था। वे जनपद पंचायत खड़गवां में एक अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं। स्नातकोत्तर डिग्री होने के बावजूद मात्र चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर

कार्यरत हैं। जीवन एक तयशुदा सीमित दायरे में चल रहा था, तभी एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में उन्हें एक फटा हुआ पन्ना मिला। उस पन्ने पर लिखा था प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना वह पन्ना कचरा नहीं था, वह संभावना थी। अंजना ने उसे पढ़ा, समझा और उसी क्षण मन में यह निश्चय किया कि वे सिर्फ.नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि कुछ सृजित करने वाली बनेंगी। योजना की जानकारी लेने जब उन्होंने जनपद कार्यालय में चर्चा की तो अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ मिलीं। किसी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी, तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि बैंक और योजनाओं के चक्कर में पड़ना बेवकूफी है। लेकिन अंजना ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक रोचक बात भी बताई कि एक बार मोबाइल व अखबार में जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का बयान आया था कि महिलाएं किसी से कम नहीं है, अपने हिम्मत से आगे बढ़ सकती हैं। यह वाक्य उनके दिमाग बसा था, इसी जुनून ने आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। अंजना ने जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद जब पोड़ी-बचरा क्षेत्र में फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई देखी।

सपना बना हकीकत

अगस्त 2025 में इकाई का लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन शुरू हुआ है। आज अंजना उरांव की अंजना इंटरप्राइजेज फ्लाईऐश ब्रिक्स इकाई लगातार उत्पादन कर रही है। अब तक लगभग 80 हजार ईंटों का निर्माण हो चुका है। वे प्रतिमाह 60 हजार रुपये की बैंक किश्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं, बिना किसी चूक के। संयुक्त परिवार, खेती, बच्चों की परवरिश और उद्योग, सब कुछ संतुलन के साथ चल रहा है। चार एकड़ भूमि पर धान और गेहूं की खेती भी जारी है। अब ईंटों की मांग बढ़ती जा रही है। जल्द ही वे ईंट रखने की लकड़ी की ट्रॉली (पीढ़ा) खरीदने वाली हैं। उनका लक्ष्य है प्रतिदिन 15 हजार ईंट उत्पादन और प्रतिमाह 6 से 7 लाख रुपये का कारोबार ।

प्रदेश में ठंड की विदाई के संकेत अगले सप्ताह से गर्मी का असर

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में बीते 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क बना रहा। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान रायपुर में 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार आज 2 फरवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिलेगा।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सोमवार से उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में वर्षा का दौर शुरू होने की संभावना है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में लगातार क्रमिक वृद्धि दर्ज की जा सकती है। फरवरी महीने में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव आमतौर पर अधिक रहता है, जिससे बादल छाने, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि के भी आसार बनते हैं। इस बार फरवरी के पहले सप्ताह में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार वातावरण में नमी बढ़ने से दिन और रात दोनों के तापमान में इजाफा होगा, जिससे ठंड धीरे-धीरे विदा लेने लगेगी। खासकर दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ में ठंड का असर तेजी से कम होगा। उल्लेखनीय है कि फरवरी में पहले भी तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है। रायपुर में 28 फरवरी 2009 को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

केजरीवाल संबंधी निर्णय संकेत,सन्देश और सियासत

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पिछले दिनों विवादित दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई द्वारा अदालत में पेश किये गये सबूतों को कमज़ोर और अपर्याप्त बताया और कहा कि आरोपियों की कोई आपराधिक साज़िश या इरादा साबित नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि केवल दावे पर्याप्त नहीं होते बल्कि ठोस सबूत होने भी ज़रूरी हैं। अदालत ने कहा कि चार्जशीट में ख़ामियां हैं और कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। इस अदालती फ़ैसले के बाद राजनैतिक हल्क़ों में हलचल तेज़ हो गयी है। ग़ौरतलब है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में नई आबकारी नीति लागू की थी। इस नीति का उद्देश्य शराब की बिक्री का निजीकरण कर ग्राहक सुविधा बढ़ाना और शराब की काला बाज़ारी रोकना बताया गया था। परन्तु जुलाई 2022 में मुख्य सचिव की रिपोर्ट में प्रक्रियागत ख़ामियां , मनमाने फ़ैसले और 500 करोड़ से अधिक का नुक़्सान बताते हुए दिल्ली के तत्कालीन एल जी, वी के सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफ़ारिश की।

उस समय केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्थाओं सीबीआई और ईडी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस नयी आबकारी नीति को निजी शराब कंपनियों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। जिसमें 100 करोड़ के कैशबैक आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को मिले। तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस पूरे मामले का मुख्य साज़िशकर्ता बताया गया। इसके बाद जुलाई 2022 में एलजी की सिफ़ारिश से ही अगस्त में सीबीआई व ईडी द्वारा केस रजिस्टर्ड किया गया तथा सितंबर में नयी आबकारी नीति रद्द कर दी गयी । इसी के बाद फ़रवरी 2023 में मनीष सिसोदिया को और मार्च 2024 में केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लिया गया। अब जहाँ संबंधित अदालत द्वारा केजरीवाल व सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया हैं वहीं ख़बर यह भी है कि निचली अदालत के इस फ़ैसले को चुनौती देने हेतु सी बी आई संभवतः हाई कोर्ट का रुख़ कर सकती है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

चंद्र ग्रहण एक खगोलीय महाकाव्य

सुरेश सिंह बैस

3 मार्च 2026 मंगलवार -बुधवार की दरमियानी रात्रि को विलक्षण खगोलिक घटनाक्रम के तहत पड़ने वाले पूर्ण चंद्र ग्रहण 3 मार्च 2026 को पृथ्वी के साये में चाँद के प्रवेश का वह मौन, वरदान-सा क्षण होगा जब आकाश अपने रंगों से खेलता है और चंद्रमा निकल-चमक कर ÷रक्तिम पूर्णिमा÷ का दृश्य प्रस्तुत करता है । जिसे खगोल विज्ञान में ब्लड मून कहा जाता है। ऐसा होने का कारण यह है कि जब चंद्रमा पृथ्वी की उम्ब्रा (गहरी छाया) में प्रवेश करता है, तो पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की किरणों को वक्रित करता है और केवल लाल-लाल प्रकाश चंद्रमा पर पहुँचता है ।जिससे उसका रंग लाल-सी दिखाई देता है।

लगभग दोपहर से संध्या तक ग्रहण जारी रहेगा। पूर्ण ग्रहण की अवधि- करीब 58 मिनट तक पूर्णता रहेगी। दुनिया में दृश्यता- पूरी रात की तरफ़ पृथ्वी पर जहाँ चाँद दिखाई दे, वहाँ इस ग्रहण को देखा जा सकेगा। भारत सहित एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कई अन्य क्षेत्रों में यह देखा जा सकेगा।चंद्रमा के सटीक संरेखण के कारण होता है। सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को दुनिया के अधिकतर हिस्सों से देखा जा सकता है जहाँ यह रात है, क्योंकि चाँद पूरे पृथ्वी के पूरे अँधेरे साइड पर चमकता हुआ दिखता है। भारत में भी यह ग्रहण पूरी तरह दिखाई देगा, और खास रूप से दक्षिण-पूर्वी समय में, जैसे कि चाँद क्षितिज पर ऊँचा उठ रहा होता है या पूर्ण रूप से दिखाई दे रहा होता है, इसका सुन्दर लाल रंग देखा जा सकता है।

ब्रह्माण्ड की इस अद्भुत घटना की वैज्ञानिक प्रक्रिया अत्यंत स्पष्ट है- जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आती है, तो इसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है। पृथ्वी की छाया के दो भाग होते हैं- पेनुम्ब्रा ङ्क हल्की छाया। उम्ब्रा ङ्क गहरी छाया। पूर्ण ग्रहण तब होता है जब चाँद पूरी तरह से उम्ब्रा में डूब जाता है। यह गणितीय रूप से अपेक्षाकृत विनीत, परन्तु दृश्य रूप से अत्यंत प्रभावी क्षण है।भारतीय पंचांग परंपरा में ग्रहण के समय को सूतक काल कहा जाता है। वह अवधि जो ग्रहण के पूर्व से प्रारंभ होकर ग्रहण के बाद थोड़ी देर तक मान्य होती है। इस दौरान कुछ कार्य (जैसे वस्त्र धोना, नहा-धोना, भोजन बनाना, शुभ कार्य आदि) विलंबित माने जाते रहे हैं। वैदिक ज्योतिष में सूर्य-चंद्र ग्रहण को आत्म-चिंतन, ध्यान-धारणा और मन की शान्ति का अनुकूल समय भी बताया गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

होलिका-दहन पर वामपंथी कलुष

कैलाश चन्द्र

होलिका और हिरण्यकश्यप भारतीय चेतना में सदियों से गुरुकुलों की शिक्षा पद्धति में शस्त्र और शास्त्र काम अध्ययन करने के बाद अहंकार वशिभूत होकर अधर्म के प्रतीक बने हैं और भक्त प्रह्लाद सत्य का। जो लोग इस सबसे सरल सत्य को भी सामाजिक न्याय के चश्मे से विकृत कर देते हैं, वे न्याय के नहीं–भारतीय समाज को भीतर से तोड़ने वाले मानसिक उपनिवेशवाद के वाहक हैं। अपनी चेतना में स्मृति को पुनः प्रखर करने की है। परंपरा को आधुनिक राजनीतिक सिद्धांतों के फ्रेम में कैद करने की जगह उसके कालातीत संदेश को समझने की है। यह लड़ाई केवल एक कथा की नहीं, बल्कि भारतीय तत्वज्ञान, वांगमय, दर्शन की और वैचारिक संप्रभुता की लड़ाई है।होलिका का जलना किसी स्त्री का दहन नहीं– अत्याचार, असहिष्णुता, अधर्म, अनीता और असत्य का दहन है। उसका अंत किसी समाज पर अत्याचार से कम नहीं है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति पर जितने हमले बाहरी आक्रान्ताओं ने नहीं किए, उससे कहीं अधिक गहरे, कहीं अधिक धूर्त हमले आज के वैचारिक उपनिवेशवादियों ने किए हैं। यह हमला तलवारों का नहीं, शब्दों का है; यह आक्रमण सीमाओं का नहीं, स्मृति का है। आज जो लोग होली, होलिका-दहन और प्रह्लाद की कथा को ब्राह्मणवाद द्वारा एक दलित नारी को जलाए जाने की घटना बताकर प्रस्तुत करते हैं, वे न परंपरा जानते हैं, न कथा समझते हैं–वे बस भारत की सांस्कृतिक संचेतना को उसकी अपनी कहानी से काट देना चाहते हैं।होलिका की कथा जितनी सरल है, उतनी ही गहन भी। कश्यप ऋषि और दिति की पुत्री, दिति की संतानों को, स्वाभाव वैचित्र्य के कारण दैत्य कहा गया है। सम्पूर्ण कथा श्रीमद्भागवत पुराण में बहुत विस्तार से कही गई है। भारत वर्ष में होनी वाले सर्वाधिक कथाओं में समस्त भागवताचार्य अपनी कथा को यहीं से प्रारम्भ करते है। इस आधार पर दैत्यकुल की राजकुमारी, वप्रीचिति की पत्नी और स्वरभानु की माता–यह एक संपूर्ण दैत्यवंशी, राक्षसी चरित्र है। उसका भाई हिरण्यकश्यप न केवल राजा था, बल्कि एक अत्याचारी, अहंकारी और असुर-प्रवृत्ति वाला शासक था। उसके सामने किसी शोषित समुदाय की कथा गढ़ना या उसे दलित नारी उत्पीड़न में बदल देना केवल अज्ञान नहीं–एक सुनियोजित बौद्धिक छल है, जो भारतीय मिथकीय चेतना को वर्गीय, जातीय और जेंडरवादी चश्मे से दूषित करना चाहता है।

यहाँ सत्य सरल है- होलिका किसी अबला स्त्री की कथा नहीं। वह वरदान से सशक्त, छल से प्रेरित और अधर्म की सहायक है। ब्रह्मा ने उसे अग्नि-प्रतिरोध का वरदान दिया, परंतु वह वरदान धर्म-विरोधी कर्मों के लिए नहीं था। जब वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठती है, तो उसका जलना कर्मफल है–अन्याय का अंत, अधर्म की पराजय और सत्य की विजय। यही पुराणों का स्वर है, यही भारतीय संस्कृति की जीवंतता का मूलाधार है।पर आज इस कथा को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने वाले Cultural Mar&ism के प्रशिक्षित कार्यकर्ता इसे ब्राह्मणों द्वारा स्त्री-दहन का उदाहरण बताते हैं। उनकी चाल पुरानी है–हर परंपरा को उत्पीड़न का प्रमाण बनाओ, हर कथा को वर्ग-संघर्ष के फ्रेम में फिट करो, हर मूल्य को अपराधबोध में बदलो। वे राक्षसी को पीड़िता बनाते हैं, दैत्यकुल को जाति-समूह कहते हैं, और धर्म-अधर्म की अनन्त कथा को सत्ता-विरोध का रंग देकर विकृत करते हैं। यह वही मानसिकता है जो श्रीराम को साम्राज्यवादी, श्रीकृष्ण को चालबाज, माता दुर्गा को पीड़ित स्त्री और श्रीगणेश को मज़ाक का पात्र बनाती है। यह वही विचारधारा है जो हमारे महापुरुषों, त्योहारों और प्रतीकों को अपने राजनीतिक एजेंडे की प्रयोगशाला बनाती है।

होलिका-दहन का अर्थ किसी व्यक्ति, कुल और जाति का दमन नहीं, बल्कि जीवन में नकारात्मकता के दहन का संदेश है। यह नव वसंत का, नवहर्ष का, नई शुरुआत का और सत्य के धारण एवं संरक्षण का पर्व है। इसमें प्रह्लाद की विजय, भक्ति की शक्ति और अधर्म के अंत का संदेश है। इसे महिला-विरोध, किसी समाज का-विरोध या सत्ता-विरोध की कहानी में बदलना हमारी परंपरा का नहीं–हमारी स्मृति का अपमान है।भारतीय समाज को बाँटने के लिए आज जो थिएटर ऑफ एब्सर्ड रचा जा रहा है–कि हिरण्यकश्यप शूद्र था, शूद्र तप नहीं कर सकते, गुरुकुल नहीं जा सकते–वह इतिहास का नहीं, वैचारिक क्षुद्रता का प्रमाण है। जिन लोगों ने न शास्त्र पढ़े, न पुराण समझे, वे आज सोशल मीडिया की आधी-अधूरी जानकारी से एक संपूर्ण सभ्यता को अपराधी सिद्ध करने में लगे हैं।

वास्तविकता यह है कि होलिका और हिरण्यकश्यप भारतीय चेतना में सदियों से गुरुकुलों की शिक्षा पद्धति में शस्त्र और शास्त्र काम अध्ययन करने के बाद अहंकार वशिभूत होकर अधर्म के प्रतीक बने हैं और भक्त प्रह्लाद सत्य का। जो लोग इस सबसे सरल सत्य को भी सामाजिक न्याय के चश्मे से विकृत कर देते हैं, वे न्याय के नहीं–भारतीय समाज को भीतर से तोड़ने वाले मानसिक उपनिवेशवाद के वाहक हैं।आज आवश्यकता किसी प्रतिक्रिया की नहीं है, और न किसी प्रतिशोध की, बल्कि तथ्यों के पुनःस्थापन की चुनौती है। अपनी चेतना में स्मृति को पुनः प्रखर करने की है। परंपरा को आधुनिक राजनीतिक सिद्धांतों के फ्रेम में कैद करने की जगह उसके कालातीत संदेश को समझने की है। यह लड़ाई केवल एक कथा की नहीं, बल्कि भारतीय तत्वज्ञान, वांगमय, दर्शन की और वैचारिक संप्रभुता की लड़ाई है।होलिका का जलना किसी स्त्री का दहन नहीं– अत्याचार, असहिष्णुता, अधर्म, अनीता और असत्य का दहन है। उसका अंत किसी समाज पर अत्याचार का नहीं, बल्कि अधर्म की पराजय का उत्सव है। इसे विकृत कर प्रस्तुत करना एक ऐसी वैचारिक बीमारी है जिसमें संस्कृति को अपराधबोध से भरकर समाज को विवेकहीन बनाया जाता है।आज, भारत की सभ्यता इस आक्रमण को पहचान चुकी है। वह जानती है कि हमारी परंपराएँ हिंसा की नहीं, समरसता की उपज हैं। होलिका-दहन उसी समरसता का उत्सव है–अहंकार के अंत और सत्य के आरंभ का पर्व। इसे किसी राजनीतिक चश्मे से देखना और किसी आधुनिक विचारधारा में फँसाकर प्रस्तुत करना केवल भ्रम नहीं, सांस्कृतिक अपराध है।आज ज़िम्मेदारी हमारी है कि हम इस वैचारिक धुंध में भी स्पष्ट देख सकें और यह कह सकें कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए भारतीयता चाहिए–न कि वह वैचारिक चश्मा जो हर कथा को केवल संघर्ष, हर पात्र को केवल पीड़ित और हर पर्व को केवल अपराध में बदल देता है।

होलिका-दहन पर कलुष केवल परंपरा का नहीं, विवेक का अपमान है। इसे समझना और इस भ्रम को तोड़ना आज केवल सांस्कृतिक कर्तव्य नहीं–राष्ट्रीय आवश्यकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

सामाजिक समरसता और आदर्श जीवन का संदेश है होली उत्सव

रमेश शर्मा

होलिकोत्सव की सभी परंपराएँ अलग अलग घटनाओं से संबंधित हैं। हर घटना की अपनी कहानी और संदेश है । पौराणिक कथाएँ अतीत की घटनाओं का प्रस्तुतिकरण तो हैं ही पर उनमें मानव समाज के निर्माण का संदेश भी है । इसलिए अनेक घटनाओं एक सूत्र में संयोजन यह होलिकोत्सव है। पौराणिक संदर्भ में पहली कथा शिव और शक्ति के मिलन से जुड़ी है । दूसरी कामदेव के भस्म होने के बाद देवि रति के पुनर्मिलन से है। इन दोनों में वासना रहित शुद्ध सात्विक और मिलन का संदेश है । तीसरी कथा त्रेता युग में भगवान विष्णु द्वारा पृथ्वी के अंश धूलि वंदना की मिलती है । चौथी कथा होलिका दहन की है । यही कथा सर्वाधिक प्रचलित है । लेकिन होलिकोत्सव के पूरे आयोजन में इन सभी कथाओं की झलक भी है और संसार के लोक जीवन को आदर्श बनाने का संदेश भी है।

रंग और उमंग के त्यौहार होली में संस्कृति और परंपरा के विविध आयाम है। इसमें समाज जीवन की सात्विकता, सकारात्मकता शैली का संदेश है तो व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक समरसता का भी अद्भुत संदेश है।

होलिका उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा को मनाया जाता है। पूर्णिमा से आठ दिन पहले होलिकाष्टक से इस उत्सव का आरंभ होता है। गाय के गोबर से मलरियाँ बनतीं हैं। और फाल्गुन पूर्णिमा को पूजन होता है । पूर्णिमा की शाम को पवित्र स्थान चयन करके एक दंड स्थापित करके पूजन करना होता है । यह स्थान घर के भीतर चौगान या आँगन भी हो सकता है या बाहर कहीं सार्वजनिक मैदान में भी। अग्नि प्रज्वलित करके गेहूँ की बालियाँ सेकीं जातीं हैं और पिछले आठ दिनों से घरों बन रहीं गोबर की मलरियाँ अग्निको समर्पित की जातीं हैं । फिर एक दूसरे को शुभ कामनाएँ देना, गले मिलना होता है । अगले दिन नृत्य गीत, चल समारोह, एक दूसरे के घर जाना, रंग डालना, गुलाल लगाना आदि । यह परंपरा पूरे संसार में एक समान है । कहीं कहीं होलिका अग्नि में नई फसल की बालियाँ सेकने और मलरियाँ बनाने की परंपरा विलुप्त हो गई है । होलिकोत्सव में यह विभिन्न परंपराएँ और पूजन प्रक्रिया अतीत में घटीं विभिन्न घटनाओं का प्रतीक हैं और भविष्य में व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये अद्भुत संदेश हैं ।

उत्सव के पौराणिक आख्यान

होलिकोत्सव की सभी परंपराएँ अलग अलग घटनाओं से संबंधित हैं। हर घटना की अपनी कहानी और संदेश है । पौराणिक कथाएँ अतीत की घटनाओं का प्रस्तुतिकरण तो हैं ही पर उनमें मानव समाज के निर्माण का संदेश भी है । इसलिए अनेक घटनाओं एक सूत्र में संयोजन यह होलिकोत्सव है। पौराणिक संदर्भ में पहली कथा शिव और शक्ति के मिलन से जुड़ी है । दूसरी कामदेव के भस्म होने के बाद देवि रति के पुनर्मिलन से है। इन दोनों में वासना रहित शुद्ध सात्विक और आत्मीय स्नेह मिलन का संदेश है । तीसरी कथा त्रेता युग में भगवान विष्णु द्वारा पृथ्वी के अंश धूलि वंदना की मिलती है । चौथी कथा होलिका दहन की है । यही कथा सर्वाधिक प्रचलित है । लेकिन होलिकोत्सव के पूरे आयोजन में इन सभी कथाओं की झलक भी है और संसार के लोक जीवन को आदर्श बनाने का संदेश भी है। होलिका दहन की जो कथा सर्वाधिक प्रचलित है उसके अनुसार हिरण्यकश्यपु अपने पुत्र प्रह्लाद को जलाकर मार डालना चाहता था । होलिका उनकी बहन थी । होलिका के पास एक वरदानी चादर थी जिसपर अग्नि कोई प्रभाव नहीं होता था । देवि होलिका भतीजे प्रह्लाद को लेकर चिता में बैठीं, अग्नि प्रज्वलित हुई । तभी चमत्कार हुआ वह चादर प्रह्लाद पर लिपट गई और देवि होलिका का दहन हो गया । यह घटना अवध में घटी । इसका मूल स्थान अवध का हरदोई है । बाद में इस उत्सव के आयोजन का प्रमुख केंद्र अयोध्या बना । प्रह्लाद को बचाने केलिये देवि होलिका ने अपना जीवन उत्सर्ग किया । इसलिये होली माता कहा जाता है और होली की अग्नि और राख दोनों को पवित्र माना जाता है । पूजन होलिका का बलिदान का होता है और उत्सव प्रह्लाद के बचने का मनाया जाता है । सब एक दूसरे को शुभ कामनाएँ देते हैं। तिलक नारायण उपासना का प्रतीक है । इसलिए होली पर एक दूसरे को तिलक लगाया जाता है । भगवान श्रीमन् नारायण की भक्ति की विजय की प्रतीक यह तिथि एक उत्सव के रूप में बदल गई जिसमें बसंत ऋतु का प्रभाव और नई फसलें आने का उल्लास भी जुड़ गया । और यह उत्सव कहीं दस दिन, कहीं पंद्रह दिन और कहीं डेढ़ माह तक विस्तारित हो गया । अवध से होलिकोत्सव पहले पूरे भारत में विस्तारित हुआ और अब दुनियाँ के आधे से ज्यादा देशों में होलिकोत्सव मनाया जाता है ।

सामाजिक समरसता और व्यक्तित्व निर्माण का संदेश

भारत की कोई भी परंपरा निरर्थक नहीं है । व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का उद्देश्य इन उत्सव परंपराओं में निहित है । होलिकोत्सव की कथाओं और मनाने की रीति में भी यही उद्देश्य है । होलिकोत्सव की आरंभिक दोनों कथाएँ जो शिव और पार्वती के मिलन और कामदेव के भस्म होने की हैं, इनमें वासना रहित प्रेम और मिलन के उल्लास का सात्विक स्वरूप है । वासना रहित सात्विक प्रेम ही जीवन में ऊर्जा देता है। जबकि वासना जीवन का ह्रास करती है। होलिकोत्सव का सबसे बड़ा संदेश सात्विक प्रेम का ही है। इस उत्सव में नारायण द्वारा धूलि की वंदना और शिव द्वारा धूलि को माथे पर धारण करना सूक्ष्मतम पदार्थ के महत्व के स्मरण का प्रतीक है । इसी स्मृति को दूसरे दिन धुलेंडी के नाम से जाना जाता है । एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर गले मिलने का संदेश समाज के समरस स्वरूप का है। इस दिन किसी का चेहरा स्पष्ट नहीं दीखता सब मानों आत्मीयताऔर उल्लास के रंग में एक रूप हो जाते हैं। समाज में कोई क्षण ऐसा अवश्य हो जब न कोई छोटा हो, न कोई बड़ा, न निर्धन, न धनी, न उम्र का कोई बंधन हो और न रंग रूप का कोई भेद । पूरा समाज एक रंग में हो। सब एक दूसरे को देखकर आनंदित हों। सामाजिक समरसता का इससे बड़ा उदाहरण और प्रयास कोई दूसरा नहीं हो सकता । इस उत्सव का दूसरा महत्वपूर्ण संदेश व्यक्तित्व के निर्माण का है। व्यक्तित्व का सृजन गर्भाधान से ही आरंभ हो जाता है । गर्भाधान संस्कार के समय माता के भाव क्या हैं, पिता के भाव क्या हैं और किस वातावरण में बच्चे की परवरिश की जाती है। इसका उदाहरण बालक प्रह्लाद से समझा जा सकता है। माता कयादू ने देवर्षि नारद के आश्रम में रहकर अपने बालक को ऐसे संस्कार दिये जिससे प्रह्लाद एक आदर्श बना। वह सैकड़ो हजारों साल बाद भी सम्मान सहित स्मरण किये जाते हैं। जबकि हिरण्यकश्यपु का व्यक्तित्व विसंगतियों से भरा है। ये विसंगतियाँ उन्हें गर्भाधान की पृष्ठभूमि माता के तनाव से मिलीं। माता दिती का मानसिक तनाव भावना का अतिरेक और पिता कश्यप ऋषि की रोषभरी खीज पुत्र हिरण्याकश्यप में देखी गई। इस त्यौहार की इन कथाओं के माध्यम भारतीय मनीषायों ने जहाँ आदर्श व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया तो इस त्यौहार को मनाने का तरीका समाज को एक सूत्र में बांध कर रखने का संदेश देता है।

यह त्यौहार रवि की नयी फसल के आने पर मनाया जाता है । फसल के लिये कठोर परिश्रम लगता है ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8655

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■	■	14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी,पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8654 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.30 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.10 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.22 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.38 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.00 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.15 ब.से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	धनु	01.31 बजे से
		मकर	03.36 बजे से
		कुंभ	05.23 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 62 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 10.25 बजे को समाप्त।
करण बव 17.08 बजे तदनन्तर बालव 04.55 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 13.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872637
जूलियन दिन 2461102.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 13
विशेष होलिका दहन, चैतन्य महाप्रभु जयंती, लक्ष्मी जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक		काल	05.42 से	07.13 बजे तक	
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक		लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक	
चर	08.15 से	10.19 बजे तक		उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक	
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक		शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक	
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक		अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक	
काल	01.16 से	02.45 बजे तक		चर	01.19 से	02.51 बजे तक	
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक		रोग	02.51 से	04.22 बजे तक	
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक		काल	04.22 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राई पंचायत में सोलर पैनल खराब होने से पानी की किल्लत

15 दिन बाद भी नहीं हुआ सुधार

विजय मत/सूरजपुर

भैयाथान ब्लॉक के राई पंचायत अंतर्गत जुनापारा मोहल्ले में पानी की किल्लत से ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चे भी परेशान हैं. प्राथमिक शाला के पास मौजूद हैंडपंप में लगा सोलर पैनल सिस्टम पिछले 15 दिनों से खराब है.इसके कारण आसपास के करीब 30 से 35 परिवारों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया है.

सोलर पैनल खराब होने से पानी निकलना बंद

हैंडपंप के सहारे प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले बच्चों और मोहल्लेवासियों की रोजमर्रा की पानी की जरूरत पूरी होती थी.लेकिन सोलर सिस्टम के खराब हो जाने के बाद न तो हैंडपंप से पानी निकल रहा है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है. ऐसे में बच्चों को स्कूल में पानी के लिए भटकना पड़ रहा है, वहीं ग्रामीणों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना मजबूरी बन गई है.

ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर उन्होंने संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई. ग्रामीणों का कहना है कि पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए भी उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है.

15 दिन से हैंडपंप खराब है, शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही, हमें तुरंत पानी की व्यवस्था चाहिए-प्रहलाद यादव, स्थानीय ग्रामीणबच्चों को स्कूल में पानी नहीं मिल रहा, घरों में भी परेशानी है- कौशल्या देवी, स्थानीय ग्रामीण वहीं इस मामले में सोलर सिस्टम से जुड़े क्रेडा अधिकारी का कहना है कि कुछ सोलर पंप में पांच वर्ष की मेंटेनेंस अवधि पूरी हो गई है.इसलिए नया एस्टीमेट भेजा जा रहा है.जिन सोलर सिस्टम की पांच वर्ष की मेंटेनेंस अवधि पूरी हो चुकी है, उनका एस्टीमेट बनाकर भेजा गया है, स्वीकृति मिलने के बाद ही कार्य किया जाएगा-रंजीत यादव, क्रेडा अधिकारी, सूरजपुर

फिलहाल एक ओर जहां ग्रामीण और स्कूली बच्चे पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार विभाग औपचारिकताओं में उलझे नजर आ रहे हैं.अब देखना होगा कि खबर प्रसारित होने के बाद प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या पर ध्यान देता है।

कलेक्टर ने बरमकेला में बीज निगम के धान प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला में शनिवार को छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम प्रक्रिया केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां धान से प्रमाणित बीज के लिए मशीन द्वारा अलग-अलग किए जा रहे बदरा, कंकड और साफ बीज का अवलोकन किया। प्रभारी अधिकारी ने कलेक्टर को धान बीज के बारे में जिले के किसानों से की गई खरीदी के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में बीज निगम के 30 प्रक्रिया केन्द्रों से प्रदेश के किसानों को प्रमाणित धान बीज उपलब्ध कराया जाता है। दौरे में कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्र बार का अवलोकन किया और समिति प्रबंधक को शीघ्र धान उठाव तथा आकस्मिक बारिश में धान को ढंकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

सार समाचार

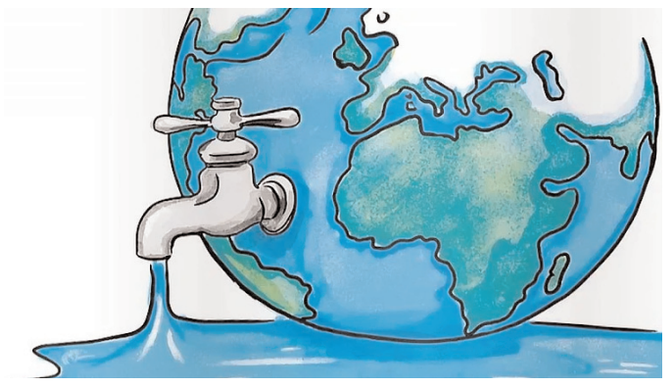

जन चौपाल में श्रमिकों को दी जा रही जल संरक्षण की जानकारी

विजय मत/बेमेतरा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के मार्गदर्शन में जिले के विकासखंड अंतर्गत लगभग सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत श्रममूलक कार्य निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को विशेष रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप आगामी दिवसों में महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न कार्य स्थलों पर श्रमिकों को इस नई पहल के संबंध में जन चौपाल के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही विभिन्न माध्यमों से योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। विकासखंड बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत भार्गव में मनरेगा योजना के तहत संचालित तालाब गहरीकरण कार्य स्थल पर जन चौपाल का आयोजन किया गया, जहां लगभग 350 श्रमिक कार्यरत हैं। कार्य स्थल पर ही श्रमिकों को आजीविका डबरी निर्माण, विकसित भारत गारंटी, रोजगार एवं आजीविका मिशन तथा जल संरक्षण हेतु प्रस्तावित विभिन्न कार्यों की जानकारी विस्तार से दी गई।जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए बताया गया कि जल संरक्षण के माध्यम से भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित किया जा सकता है। इस अवसर पर घरों में रिचार्ज पिट निर्माण कर वर्षा जल को भूमि में पुनर्भरण करने की तकनीक एवं उसके लाभों की जानकारी दी गई। बताया गया कि रिचार्ज पिट से भू-जल स्तर में वृद्धि होती है तथा पेयजल की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।चौपाल में आजीविका डबरी निर्माण के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि आजीविका डबरी से जल संरक्षण के साथ-साथ मछली पालन, सिंचाई एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के लिए पानी उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि संभव है।आजीविका डबरी निर्माण हेतु मनरेगा योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इस कार्य में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की गई।इस अवसर पर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना एवं आजीविका को सशक्त बनाना है।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं मनरेगा के पंजीकृत श्रमिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज द्वारा आज सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर श्री भारद्वाज ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं मौके पर बुलाकर आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कई मामलों में समस्याओं का समाधान तत्काल मौके पर ही किया गया। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का जहां शीघ्र निराकरण किया गया, वहीं गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए आवेदकों में तहसील बेरला के ग्राम भटगांव निवासी सावित्री साहू ने आवासी भूमि प्रदाय किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। तहसील बेरला के ग्राम कोसपातर, बारगांव निवासी जमुना बाई यादव ने जब्तशुदा मारुति ऑल्टो वाहन को सुपुर्दनामा में दिए जाने संबंधी आवेदन दिया। तहसील भिंभौरी के ग्राम अकोली निवासी जानकी वर्मा ने भूमि विक्रय पर रोक लगाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।इसी प्रकार तहसील साजा के ग्राम कारेसरा निवासी रुखमणी यादव ने विद्युत मीटर परिवर्तन एवं विद्युत बिल माफी हेतु आवेदन दिया। तहसील भिंभौरी के ग्राम गुधेली निवासी अरूणा वर्मा ने 10 रुपये वाले राशन कार्ड को गरीबी रेखा राशन कार्ड में परिवर्तित करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अलावा जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चलित ट्रायसायकल, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याओं के आवेदन भी प्राप्त हुए।

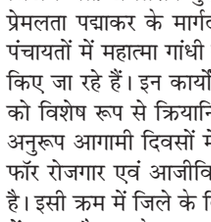

बेमेतरा जिले में बीज उत्पादन कार्यक्रम की उल्लेखनीय उपलब्धि

विजय मत/बेमेतरा।उप संचालक कृषि श्री मोर ध्वज डडसेना के मार्गदर्शन एवं सतत निगरानी में बेमेतरा जिले ने कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिले में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम ने इस वर्ष लक्ष्य से कहीं अधिक सफलता अर्जित करते हुए एक नई मिसाल कायम की है। निर्धारित 1348 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध जिले में कुल 2086 हेक्टेयर क्षेत्र में बीज उत्पादन हेतु कृषकों का पंजीयन किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक है। यह उपलब्धि जिले के किसानों की बढ़ती जागरूकता, कृषि विभाग के सतत प्रयासों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में विशेष रूप से दलहन एवं तिलहन फसलों के प्रमाणित बीज उत्पादन को प्राथमिकता दी गई। कृषि विभाग द्वारा इन फसलों के महत्व को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रम का संचालन किया गया, जिससे कृषकों का रुझान बीज उत्पादन की ओर बढ़ा।कार्यक्रम की सफलता में कृषि अधिकारियों एवं विस्तार कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। समय-समय पर किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, तथा पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाकर जानकारी दी गई। इन प्रयासों से किसानों का विश्वास बढ़ा और बड़ी संख्या में कृषकों ने स्वेच्छा से बीज उत्पादन कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस बढ़े हुए पंजीयन का सबसे बड़ा लाभ आगामी रबी सीजन में देखने को मिलेगा। जिले के किसानों को अब दलहन-तिलहन के प्रमाणित बीज पर्याप्त मात्रा में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगे। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।बीज उत्पादन कार्यक्रम की सफलता से बाहरी स्रोतों पर निर्भरता में कमी आएगी। स्थानीय स्तर पर प्रमाणित बीज उपलब्ध होने से बीज की गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति तथा लागत में कमी सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।इस कार्यक्रम की सफलता से जिले में दलहन-तिलहन क्षेत्र विस्तार की प्रबल संभावनाएं बन गई हैं।

कलेक्टर ने लेंधरा हॉस्पीटल के सभी कक्ष और व्यवस्था का लिया जायजा

वियज मत/सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य केन्द्र लेंधरा का शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने दवा केन्द्र में दवा की उपलब्धता, एक्सपायरी डेट आदि की जानकारी ली। इसके बाद प्रसव कक्ष, ऑपरेशन कक्ष, पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया। साथ ही प्रसव के बाद फालोअप में आई महिला से उनके और बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी कक्ष में जाकर वहां उपस्थित स्टॉफ से अब तक किए गए प्रसव, ऑपरेशन, टेस्ट आदि के बारे में पूछकर हॉस्पीटल के व्यवस्था की जांच की। कलेक्टर ने वहां के कर्मचारी, डॉक्टर, नर्स, सहायक, डॉक्टर के प्रकार-एमबीबीएस, आयुर्वेद आदि की पोस्टिंग, मुख्यालय में निवास करने की व्यवस्था, गृह ग्राम, एमबीबीएस पढ़ाई के दौरान बांड से प्राप्त डॉक्टरों के गृह ग्राम आदि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अभिलाषा नायक उपस्थित थीं, जिन्हें आभा कार्ड के बारे में जानकारी दी गई।

बरमकेला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर की जा रही सरसों की खेती

विजय मत/सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला ब्लॉक के ग्राम खपरापाली और तोरना में शनिवार को सरसों की खेती का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां किसानों से उनके द्वारा रबी सीजन में किए जा रहे सरसों की खेती की तारीफ की। किसानों ने और मैदानी कृषि अधिकारियों ने कलेक्टर को जानकारी दी कि वे विगत 3 वर्ष से खेती कर रहे हैं। खपरापाली के 50 बड़े किसान और 30 मध्यम किसान ने लगभग 250 एकड़ में खेती कर रहे हैं। साथ ही साथ आसपास के गांव झनकपुर, पुरैना, लोधिया के भी किसान बड़ी संख्या में सरसों की खेती कर रहे हैं। खपरापाली में किसान टेकचंद ने 10 एकड़, डोलनारायण और दौलतराम साहू ने 7 एकड़ और राजाराम पटेल ने 20 एकड़ में खेती की है। कलेक्टर ने कहा कि सभी मैदानी कृषि अधिकारी किसानों के साथ चौपाल में बैठकर उन्हें रबी सीजन में धान और अन्य दलहनी तिलहनी फसल के अंतर, लाभ हानि को समझाएं और उन्हें ज्यादा से ज्यादा मात्रा में धान के बदले दलहनी तिलहनी फसल की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस अवसर पर किसान दौलतराम साहू, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, मैदानी कृषि अधिकारी जयप्रकाश गुप्ता, नीलेश राव, बसंत नायक, पुरूषोत्तम भारती आदि उपस्थित थे।

वर्ल्ड वेटलैंड डेन्न बगड़ी जलाशय बर्ड वॉच एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

स्वच्छता अभियान का भी दिया गया संदेश

विजय मत/जीपीएम

मरवाही वनमंडल ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर 2 फरवरी को मरवाही वनमंडल अंतर्गत बगड़ी जलाशय में बर्ड वॉच, प्रशिक्षण कार्यशाला एवं स्वच्छता अभियान का भव्य आयोजन किया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण, जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करना और प्रवासी, स्थानीय पक्षियों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना रहा.

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों प्रतिभागियों को पक्षियों की प्रजातियों की पहचान, उनके प्राकृतिक आवास, जीवन चक्र, संरक्षण उपायों और पारिस्थितिकी तंत्र में आर्द्रभूमियों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. बर्ड वॉचिंग गतिविधि के अंतर्गत बगड़ी जलाशय क्षेत्र में मौजूद प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों की कई प्रजातियों को नजदीक से देखा गया, जिससे प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला. दूरबीन और गाइड के माध्यम से पक्षियों के व्यवहार को समझने का अवसर भी मिला.

आर्द्रभूमियां न केवल पक्षियों और वन्य जीवों का सुरक्षित आश्रय हैं, बल्कि जल संरक्षण, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं.इनके संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है-ग्रीष्मी चांद, डीएफओ मरवाही वन मंडल

स्वच्छता अभियान का भी दिया गया संदेश

इसके साथ ही जलाशय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया. जिसमें प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटाकर स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण का संदेश दिया गया. इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि आर्द्रभूमियों की स्वच्छता और संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है. कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पर्यावरण प्रेमी, स्थानीय नागरिक, स्वयंसेवी संगठन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए. सभी ने मिलकर आर्द्रभूमियों के संरक्षण और जैव विविधता को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

डस्टबिन से उद्योग तक अंजना उरांव की आत्मनिर्भरता की उड़ान

विरोध, संदेह और संघर्ष का दौर

विजय मत/कोरिया

कभी-कभी जीवन की दिशा बदलने के लिए किसी बड़े मंच, बड़े अवसर या बड़े संसाधन की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक डस्टबिन में पड़ा काग़ज़ का टुकड़ा भी जीवन की करवट बदल देता है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव की कहानी इसी सच्चाई को सशक्त रूप से सामने रखती है, जो कड़ी मेहनत और लगन से ही स्थायी सफलता हासिल की। अंजना उरांव कोई उद्योगपति परिवार से नहीं आतीं, न ही उनके पास पूंजी, सिफ़ारिश या विशेष प्रशिक्षण था। वे जनपद पंचायत खड़गवां में एक अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं। स्नातकोत्तर डिग्री होने के बावजूद मात्र चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत हैं। जीवन एक तयशुदा सीमित दायरे में चल रहा था, तभी एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में उन्हें एक फटा हुआ पन्ना मिला। उस पन्ने पर लिखा था प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना वह पन्ना कचरा नहीं था, वह संभावना थी। अंजना ने उसे पढ़ा, समझा और उसी क्षण मन में यह निश्चय किया कि वे सिर्फ़ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि कुछ सृजित करने वाली बनेंगी।

योजना की जानकारी लेने जब उन्होंने जनपद कार्यालय में चर्चा की तो अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ मिलीं। किसी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी, तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि बैंक और योजनाओं के चक्कर में पड़ना बेवकूफी है। लेकिन अंजना ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक रोचक बात भी बताई कि एक बार मोबाइल व

अखबार में जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का बयान आया था कि महिलाएं किसी से कम नहीं है, अपने हिम्मत से आगे बढ़ सकती हैं। यह वाक्य उनके दिमाग बसा था, इसी जुनून ने आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

अंजना ने जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद जब पोड़ी-बचरा क्षेत्र में फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई देखी, तो उनके भीतर एक उद्यमिता जन्म लेने लगा। उन्होंने तय किया कि वे भी फ्लाईऐश ईंट उद्योग स्थापित करेंगी।

इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष

दस्तावेज़ों की लंबी सूची, बैंकों के बार-बार चक्कर, ऋण अस्वीकृतियाँ और सामाजिक दबाव। मायके और ससुराल दोनों ओर से एक ही सलाह मिली यह लफड़ा मत पालो। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें कि आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। ऐसे समय में उनके पति अनिल कुमार उनके सबसे बड़े संबल बना। दसवीं तक पढ़े अनिल कुमार को उद्योग का अनुभव नहीं था, लेकिन मेहनत, खेती और परिवार की जिम्मेदारी निभाने का जज्बा भरपूर था। उन्होंने अंजना के सपने को अपना सपना बना लिया। अंततः बैकुंठपुर स्थित एचडीएफसी बैंक से 30 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। कटघोरा से मशीनें मंगाई गईं, शेड का निर्माण हुआ, कोरबा से फ्लाईऐश और स्थानीय स्तर से रेत-सीमेंट की व्यवस्था की गई।

अगस्त 2025 में इकाई का लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन शुरू हुआ है। आज अंजना उरांव की अंजना इंटरप्राइजेज फ्लाईऐश ब्रिक्स इकाई लगातार उत्पादन कर रही है। अब तक लगभग 80 हजार ईंटों का निर्माण हो चुका है। वे प्रतिमाह 60 हजार रुपये की बैंक किश्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं, बिना किसी चूक के। संयुक्त परिवार, खेती, बच्चों की परवरिश और उद्योग, सब कुछ संतुलन के साथ चल रहा है।

छिंदारी में मनाया गया विश्व आर्द्रभूमि दिवस

परिंदे ईको पर्यटक केंद्र में संरक्षण का संकल्प

विजय मत/खैरागढ़

खैरागढ़ जिले के छिंदारी स्थित परिंदे ईको पर्यटक केंद्र में 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया. इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया.

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण, आर्द्रभूमियों की उपयोगिता और जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूक करना था. सभी को बताया गया कि आर्द्रभूमियां न केवल पानी का स्रोत हैं, बल्कि पक्षियों और वन्य जीवों का सुरक्षित घर भी हैं.

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह बर्ड वाचिंग गतिविधि से हुई. इस दौरान बच्चों और युवाओं को आर्द्रभूमि में पाए जाने वाले विभिन्न पक्षियों और वहां की जैव विविधता के बारे में जानकारी दी गई.

जंगलों, जल स्रोतों और वन्य जीवों का संरक्षण बहुत जरूरी है. छिंदारी क्षेत्र दुर्लभ, स्थानीय और प्रवासी पक्षियों का प्राकृतिक आवास है, जिनकी सुरक्षा केवल प्रशासन नहीं बल्कि आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है.- डीएफओ पंकज राजपूत

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया गया. बताया गया कि पिकनिक मनाने आने वाले लोग अक्सर पॉलिथीन और कचरा छोड़ जाते हैं, जिससे पर्यावरण और वन्य जीवों को नुकसान पहुंचता है. इस अभियान में ग्रामीणों, युवाओं और विद्यार्थियों ने मिलकर क्षेत्र की साफ-सफाई की. स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से बर्ड वाचिंग गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें बच्चों को छिंदारी क्षेत्र में पाए जाने वाले पक्षियों की पहचान और उनके संरक्षण के तरीकों के बारे में बताया गया. कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि आर्द्रभूमि, जंगल और जल स्रोतों की रक्षा सभी की जिम्मेदारी है. आयोजन ने यह संदेश दिया कि प्रकृति का संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षा है।

सार समाचार

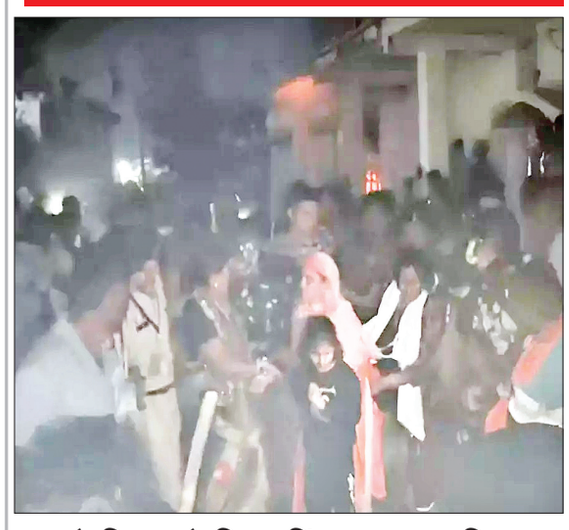

पुराने विवाद ने लिया हिंसक रूप: पुलिस पर पथराव, आगजनी के बाद तीन गिरफ्तार

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में मंदिर तोड़े जाने से जुड़े पुराने विवाद ने रविवार को उग्र रूप ले लिया। फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम बकली में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ तनाव देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गया। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कई जवान घायल हो गए। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने वाहनों और एक घर को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है, वहीं किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को भी मौके पर रखा गया है। पथराव के दौरान एक पुलिस जवान बेहोश हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।जानकारी के अनुसार, चार महीने पहले हथखोज गांव की एक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें कुछ लोग राहगीरों से मारपीट और लूटपाट करते नजर आए थे। वीडियो सामने आने के बाद फिंगेश्वर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हाल ही में जमानत पर रिहा होकर लौटे आरोपियों ने रविवार सुबह करीब 11 बजे बकली गांव में शिकायतकर्ता से मारपीट शुरू कर दी, जिससे तनाव और बढ़ गया।मारपीट की यह घटना जल्द ही दो समुदायों के बीच संघर्ष में तब्दील हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपियों के घरों में आग लगा दी और रास्ते में खड़े वाहनों को भी जला दिया।ग्रामीण जितेंद्र का आरोप है कि हमलावरों ने ही करीब डेढ़ साल पहले गांव के शिव मंदिर को तोड़ा था, जिसका मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। उनका कहना है कि इसी विवाद को लेकर हाल के दिनों में गांव में लगातार तनाव बना हुआ है और अब जमानत पर छूटे आरोपियों द्वारा फिर से हिंसा फैलाई जा रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। पूरे मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संवेदनशील प्रशासन की मिसाल सेवानिवृत्ति के दिन ही मिला पीपीओ

सुकमा। जिला प्रशासन सुकमा द्वारा संवेदनशील और सराहनीय पहल का एक भावुक क्षण उस समय देखने को मिला, जब सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शाखा, जिला सुकमा में पदस्थ जलवाहक आसमान माँझी को उनके सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) प्रदान किया गया।आसमान माँझी का शासकीय सेवाकाल वर्ष 1988 से 30 जनवरी 2026 तक रहा, जिसमें उन्होंने लगभग 39 वर्षों तक निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ शासकीय सेवा की। सुकमा जैसे दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित जिले में लंबे समय तक सेवा देने के पश्चात सेवानिवृत्ति के दिन ही समस्त सेवानिवृत्ति स्वत्वों के भुगतान का प्रमाण पत्र प्राप्त होना उनके लिए अत्यंत भावुक क्षण बन गया।कलेक्टर अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर द्वारा कलेक्टर कक्ष में माँझी को पीपीओ प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रशासन की संवेदनशीलता और कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। पीपीओ प्राप्त करते समय आसमान माँझी भावुक हो उठे और उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन तथा जिला प्रशासन, विशेष रूप से कलेक्टर अमित कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के दिन ही समस्त औपचारिकताओं का पूर्ण होना उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है।

पोटाकेबिन में वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट के जरिए लहलहा उठी बगिया

विजय मत/सुकमा

जिला प्रशासन के स्किल डेवलपमेंटऔर पर्यावरण संरक्षण के विजन को धरातल पर उतारते हुए कोण्टा ब्लॉक मुख्यालय में स्थित शासकीय बालक हाईस्कूल (पोटाकेबिन) ने एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है। यहाँ के प्राचार्य और शिक्षकों ने सीमित संसाधनों और पानी की कमी के बावजूद श्वेस्ट वाटर मैनेजमेंटश् की ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसने न केवल 100 पौधों को जीवनदान दिया है, बल्कि छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षा का एक नया द्वार भी खोल दिया है।

संस्था परिसर के समीप स्थित एकलव्य विद्यालय से व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को सहेजने के लिए प्राचार्य ने एक अनूठी कार्ययोजना बनाई। संसाधनों की कमी को आड़े न आने देते हुए, प्राचार्य और उनके सहयोगी शिक्षकों ने श्कबाड़ से जुगाड़श् तकनीक का उपयोग किया। इसमें पुराने बेकार पड़े पाइपों और मात्र आधे हॉर्सपावर के टुल्लू पंप के मेल से एक प्रभावी ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) सिस्टम तैयार किया गया।

यह प्रयास केवल पौधों को पानी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के कौशल विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। छात्र अब अपने घरों और किचन गार्डन में नालों के व्यर्थ पानी का उपयोग कर सब्जी उत्पादन की तकनीक सीख रहे हैं। यह नवाचार बच्चों में पारंपरिक खेती के बजाय आधुनिक और व्यावसायिक कृषि के प्रति रुचि जगा रहा है।संस्था के इस सामूहिक प्रयास से स्कूल परिसर फ्ईको-फ्रेंडलीफ् जोन में तब्दील हो गया है। प्रशासन ऐसे प्रयासों की सराहना करता है, क्योंकि यह न केवल सरकारी योजनाओं को सफल बनाते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग की प्रेरणा भी देते हैं।

शिक्षक पात्रता परीक्षा परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित संपन्न

राजनांदगांव। जिले में छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आज छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 आयोजित की गई। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा का शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित संपन्न हुआ। अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा राजनांदगांव जिले में छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन प्रथम पाली के लिए 25 परीक्षा केन्द्र और द्वितीय पाली के लिए 45 परीक्षा केन्द्रों में किया गया। शिक्षक पात्रता परीक्षा जिले में दोनों पालियों में कुल 18845 परीक्षार्थी शामिल हुए। प्रथम पाली में 8071 परीक्षार्थी में से 7022 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, वहीं द्वितीय पाली में 13179 परीक्षार्थी में से 11823 परीक्षार्थी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से संवरा अमरावती का संसार

अंबिकापुर। कभी सोचा नहीं था कि खुद का भी एक पक्का घर होगा, जहां बारिश की बूंदें डराएंगी नहीं बल्कि सुकून देंगी। यह भावुक शब्द सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत कपाटबहरी की रहने वाली तारावती के हैं, जोकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में उन लाखों लाभार्थियों में से एक हैं, जिनका 'अपना घर' होने का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के जरिए साकार हुआ है।तारावती बताती हैं कि इससे पहले वह अपने पति अमरनाथ और बच्चों के साथ एक कच्चे मकान में रहती थीं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए एक दूर का सपना था। पति मजदूरी का करते हैं, तीन बच्चों की जिम्मेदारी।शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास की स्वीकृति मिलने के बाद, तारावती और उनके पति ने न केवल सरकारी सहायता का लाभ उठाया, बल्कि खुद मजदूरी कर घर को और भी बेहतर स्वरूप दिया। आज उनके पास एक सुव्यवस्थित पक्का मकान है, जिसमें उनका परिवार सुरक्षित और खुशहाल है। तारावती ने अपनी मुस्कान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, फ्सरकार की इस मदद से आज हमारा जीवन बदल गया है। पक्के घर ने हमें सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का नया हौसला दिया है। तारावती की यह कहानी उन सभी ग्रामीण परिवारों के लिए प्रेरणा है, जो शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर अपने जीवन स्तर को ऊँचा उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना : प्रशिक्षण पाकर आत्मनिर्भर बने जीवन सिंह बैगा

विजय मत/मुंगेली। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। योजना के तहत विभिन्न कोर्स में युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के ग्राम जल्दा निवासी श्री जीवन सिंह बैगा ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर में आईटी/आईटीईएस सेक्टर में डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्हें कंप्यूटर, संबंधित उपकरणों तथा कार्य में उपयोग होने वाली सभी आवश्यक तकनीकी जानकारियाँ विस्तारपूर्वक सिखाई गईं।

श्री बैगा ने बताया कि इस प्रशिक्षण की जानकारी एक प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके पश्चात उन्होंने प्रशिक्षण से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण कर पात्रता प्राप्त की और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान मिले मार्गदर्शन और व्यवहारिक ज्ञान ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रशिक्षण उपरांत श्री जीवन सिंह बैगा ने स्वरोजगार के रूप में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) की स्थापना की। वर्तमान में वे इसी माध्यम से न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का भी सफलतापूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। स्वरोजगार से उन्हें नियमित आय का स्रोत प्राप्त हुआ है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति एवं जीवनशैली में सुधार हुआ है। श्री जीवन सिंह बैगा अपनी इस सफलता का श्रेय कौशल विकास विभाग, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर, मुंगेली, एवं इस योजना को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले जिला प्रशासन को देते हैं।

जशपुर वन मंडल में हाथियों की सतत निगरानी हेतु की जा रही गश्ती

जशपुरनगर । जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत हाथियों का विचरण निरंतर बना हुआ है। वर्तमान में जशपुर वन मंडल क्षेत्र में कुल 40 हाथियों का विचरण दर्ज किया गया है। हाथी-मानव द्वंद की संभावनाओं को न्यूनतम करने तथा जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हाथी प्रभावित वन परिक्षेत्रों में हाथी गश्ती टीमों का गठन किया गया है। गठित गश्ती टीमें प्रत्येक दिवस रात्रि में नियमित रूप से हाथी गश्ती कर रही हैं। विचरणरत हाथियों की गतिविधियों पर वन अमला एवं रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य सतत निगरानी बनाए हुए हैं। हाथियों की लोकेशन, मूवमेंट एवं व्यवहार की निरंतर समीक्षा कर आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, संभावित संवेदनशील ग्रामों में मुनादी, मोबाइल संदेश, ग्राम स्तरीय संपर्क एवं अन्य माध्यमों से ग्रामीणों को समय-समय पर सूचित एवं सतर्क किया जा रहा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे हाथियों के निकट न जाएँ, रात्रि में अनावश्यक आवागमन से बचें तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल वन विभाग/आर.आर.टी. को सूचना दें। डीएफओ शशि कुमार ने बताया कि वन विभाग द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया एवं जन-जागरूकता के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।

वन अमला एवं रैपिड रिस्पांस टीम को दिया गया चरणबद्ध ड्रोन प्रशिक्षण

हाथी-मानव द्वंद कम करने जशपुर वन मंडल में ड्रोन तकनीक की पहल

विजय मत/जशपुरनगर

जशपुर वन मंडल क्षेत्र में हाथियों का निरंतर विचरण बना हुआ है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए हाथी प्रभावित वन परिक्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियों की प्रभावी निगरानी तथा हाथीदृमानव द्वंद को न्यूनतम करने के उद्देश्य से वन अमला एवं रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्यों को ड्रोन संचालन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वनमण्डलाधिकारी जशपुर वन मंडल शशि कुमार ने बताया कि ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम को चरणबद्ध रूप से विभिन्न उपवन मण्डलों में आयोजित किया गया। जिसमें संबंधित उपवनमण्डलों के समस्त वन परिक्षेत्रों के कर्मचारी एवं आरआरटी सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के तहत पत्थलगांव उपवन मंडल के सभी वन परिक्षेत्रों हेतु 24 जनवरी 2026 को नारायणपुर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसी प्रकार कुनकुरी उपवन मंडल के अंतर्गत समस्त वन परिक्षेत्रों के वन अमला एवं आरआरटी सदस्यों को 25 जनवरी 2026 को कुनकुरी में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद जशपुर उपवन मंडल के समस्त वन परिक्षेत्रों के लिए 27 जनवरी 2026 को मनोरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ड्रोन के माध्यम से हाथियों की लोकेशन ट्रैकिंग, उनके मूवमेंट की सतत निगरानी, रात्रिकालीन सर्वेक्षण, संवेदनशील ग्रामों के आसपास सतर्कता बरतने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई से संबंधित व्यवहारिक जानकारी दी गई। ड्रोन तकनीक के उपयोग से दुर्गम एवं घने वन क्षेत्रों में भी वास्तविक समय में सटीक सूचना प्राप्त करना संभव हो सकेगा। वन विभाग द्वारा की गई यह आधुनिक तकनीकी पहल हाथियों की गतिविधियों पर समय रहते निगरानी सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। इससे हाथीदृमानव द्वंद को कम करने, जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा वन्यजीव संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी।

तीसरी बार टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे भारत और इंग्लैंड

मुम्बई,एजेंसी

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में 5 मार्च को भारत और इंग्लैंड की टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। ये तीसरी बार है जब इन दोनो के बीच

सेमीफाइनल में मुकाबला होने जा रहा है। इससे पहले साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वहीं भारतीय टीम ने साल 2024 में इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी।

इतना ही नहीं, पिछले दो बार के टूर्नामेंट में भारत के साथ सेमीफाइनल में जिस भी टीम को जीत मिली है, उसे खिताब मिला है। साल 2024 में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हराया था और फाइनल भी जीता था। वहीं भारत ने साल 2024 में इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराया था और फाइनल में भी भारतीय टीम जीती थी। इस तरह लगातार तीसरी बार ये संयोग बना है कि दोनों टीमें फिर से सेमीफाइनल में खेलेंगी। भारत और इंग्लैंड के बीच विश्वकप में लीग स्तर या सुपर 8 स्टेज में 14 साल से मुकाबला नहीं खेला गया है। अंतिम बार साल 2012 में दोनों टीमों के बीच नॉकआउट स्तर से पहले मुकाबला खेला गया। उस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली थी। अब तक टी20 विश्व कप में पांच बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना हुआ है, जिसमें से भारत ने 3 जबकि इंग्लैंड ने दो मैच जीते हैं।

बारिश हुई तो बाहर होंगी भारत और न्यूजीलैड

भारतीय टीम सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। यहां 5 मार्च को भारतीय टीम का सामना दूसरे सेमीफाइनल में 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से सामना होगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड में मुकाबला होगा।

सेमीफाइनल में अगर बारिश होती है तो मैच रिजर्व दिन होगा। वहीं अगर उस दिन भी किसी कारण से मैच नहीं हो पाता है तो ग्रुप की शीर्ष टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इसलिए अगर किसी कारण मैच नहीं हो पाता है तो भारतीय टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। वहीं इंग्लैड फाइनल में आ जाएगी। इसका कारण ये है कि आईसीसी के नियमों के मुताबिक सुपर-8 राउंड में टीमों की स्थिति के आधार पर फाइनल में क्वालिफाई करने वाली टीम का फैसला किया जाता है। ऐसे में ग्रुप स्तर या सुपर-8 राउंड में टॉप पर रहने वाली टीम को लाभ मिलता है।

पाक खिलाड़ी पर लगाया 50-50 लाख का जुर्माना

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए सभी खिलाड़ियों पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपए जुर्माना लगाया है। पीसीबी का कहना है कि जब जीत पर टीम को ईनाम मिलता है तो हार के बाद उसपर जुर्माना लगाना कोई गलत नहीं है। सभी खिलाड़ियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिये। पाक टीम के लिए ये विश्वकप बेहद खराब रहा है। उसे भारतीय सहित सभी बड़ी टीमों से हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई और सुपर-8 से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके अलावा उसे नीदरलैंड्स, अमेरिका और नामीबिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। भारत-इंग्लैंड जैसी टीमों से भी उसे हार मिली है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के चलते पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शामिल खिलाड़ियों पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

कोलकाता । संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं।

खाड़ी में संघर्ष से आईपीएल के लिए आने वाले खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना तय

मुम्बई,एजेंसी

मध्यपूर्व में शुरु हुई जंग का प्रभाव खेल पर भी पड़ रहा है। जहां कई देशों के खिलाड़ी खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। वहीं आईपीएल के लिए आने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भी इससे विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका है। आईपीएल के करीब आते ही फ्रेंचाइज़ियां अभ्यास के तौर पर लगने वाले प्री-सीजन कैंप और रणनीतियों को बनाने का प्रयास कर रही थीं कि मध्य-पूर्व में शुरु हुए इस संघर्ष से उड़ानें बाधित होने के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका कारण है कि अब खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का आना भी फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है। .

आईपीएल सत्र शुरू होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में सभी टीमें अपने-अपने प्री-सीजन कैंप आयोजित कर रही हैं पर विदेशी खिलाड़ियों के नहीं आ पाने ने तैयारियों में बाधा आई है। इसका कारण है कि इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से अधिकतर अधिकतर पर दुबई से ही भारत पहुंचते हैं। अब खाड़ी क्षेत्र में उड़ाने बाधित होने से इसमें रुकावट आई है। इसी कारण से कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हुई हैं। मध्य-पूर्व में हालात कब तक सुधरेंगे ये अभी कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और इज़राइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी कतर, यूएई, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किये हैं।

थरूर ने सैमसन की पारी को जमकर सराहा

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद शशि थरूर क्रिकेट के शौकीन है और हमेशा मैचों को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देते रहते है। थरुर ने अब विकेटकपीर बल्लेबाज संजू सैमसन की वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे सुपर-8 में खेली 97 रनों की नाबाद पारी की जमकर सराहना की है। सैमसन की इस पारी से भारतीय टीम विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को जीत के सामने 195 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने पांच विकेट से हासिल कर लिया। थरूर ने इस दौरान उस समय को भी याद किया जब टूर्नामेंट के ठीक पहले खराब प्रदर्शन के कारण सैमसन को शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी थी। भारतीय टीम ने ईशान किशन और अभिषेक शर्मा के साथ टी20 विश्वकप की शुरुआत की थी।

वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ,एजेंसी

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजो जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच

फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है।

होप ने कहा सैमसन की पारी से मैच हमारे हाथ से निकला

कोलकाता, एजेंसी

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर निराश जतायी है। होप ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन की पारी से ये मैच उनके हाथ से निकल गया। होप के अनुसार टीम के शीर्ष क्रम के असफल होने से भी उन्हें नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो परिणाम कुछ और होता। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 195 रन बनाए। वहीं अंत में उनकी टीम करीब 20 रन और बना सकती थी पर उनकी धीमी पारी से इसपर पानी फिर गया। होप ने 32 रन बनाने के लिए 33 गेंदें खेलीं और उनका स्ट्राइक रेट काफी कम 96 रहा।

वह 17 गेंदों पर रन नहीं बना पायी और इसी से मैच में अंतर आ गया। होप ने कहा, मैं गलती मानता हूं। मुझे और तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। जब आप नेतृत्व कर रहे होते हैं तो आप आगे बढ़कर लय बनाना चाहते हैं। आज मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ।

व्यापार

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1,048, निफ्टी पर, 312 अंक पर गिरा

मुंबई ,एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ने से बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.34 अंक नीचे आकर 80,238.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.95 अंक गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था। इससे निवेशकों को भारी झटका लगा है। कारोबार के दौरान निफ्टी इन्फ्रा 2.23 फीसदी , निफ्टी ऑटो 2.20 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.15 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.15 फीसदी, निफ्टी पीएसयू 1.84 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ।निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.24फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.02 फीसदी ही उछले। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। आज लार्जकैप के साथ ही स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंकपर पहुंचा।

सोना 4759 रुपये महंगा हुआ, 3 फीसदी बढ़ा

मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोना और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। अमेरिका, इजराइल और इरान के बीच बढ़ते टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुख सुरक्षित निवेश यानी बुलियन की ओर हो गया है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 4,759 रुपये की छलांग लगाकर 1,66,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी करीब 3 प्रतिशत उछलकर 2,91,439 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। घरेलू बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय संकेतों के अनुरूप देखी जा रही है। अमेरिकी कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की स्पॉट कीमत 1.86 प्रतिशत बढ़कर 5,345.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। चांदी भी 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.045 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी।

ओपेक प्लस बढ़ाएगा तेल उत्पादन

न्यूयॉर्क । ईरान पर हाल के बड़े सैन्य हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में इज़राइल और अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले हो रहे हैं। इन घटनाओं के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आने की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि फारस की खाड़ी के संकरे जल मार्ग, खासकर होर्मुज जलडमरुमध्य से गुजरने वाले तेल निर्यात पर इन हमलों का असर हो सकता है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगी देशों (ओपेक प्लस) की हाल ही में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया कि अप्रैल में कच्चे तेल का उत्पादन प्रतिदिन 2,06,000 बैरल बढ़ाया जाएगा। यह बढ़ोतरी विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। उत्पादन बढ़ाने वाले आठ देशों में सऊदी अरब, रूस, ईराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 240 अरब डॉलर के निवेश का किया गया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

16 से 21 फरवरी 2026 तक आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' को एआई क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बताया गया। सम्मेलन में करीब छह लाख लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। 100 से अधिक देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने भी हिस्सा लिया। सम्मेलन में आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी में 850 से अधिक प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बन गई। सम्मेलन में रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, गूगल, लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और टाटा समूह समेत शीर्ष निवेशकों ने 240 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की घोषणा की। सम्मेलन में जताई गई निवेश प्रतिबद्धताओं के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एआई केंद्रित अवसंरचना पर सात वर्षों में 110 अरब डॉलर निवेश का वादा किया

जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज ने 2035 तक 100 अरब डॉलर निवेश की योजना घोषित की। इनके अलावा जनरल कैटेलिस्ट ने पांच वर्षों में पांच अरब डॉलर और लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने 10 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता जताई। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने भारत-अमेरिका के बीच नए समुद्री केबल मार्गों और विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के एआई हब में निवेश की घोषणा की। इस बीच टाटा समूह ने एआई-सक्षम डेटा सेंटर के विस्तार के लिए ओपनएआई के साथ साझेदारी की घोषणा की।

सम्मेलन में एक अहम घोषणा भारत की राष्ट्रीय स्वामित्व वाली कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाने से जुड़ी रही। इंडिया एआई मिशन के तहत पहले से उपलब्ध 38,000 से अधिक जीपीयू के अलावा आने वाले हफ्तों में 20,000 और जीपीयू जोड़े जाएंगे, जिससे राष्ट्रीय एआई अवसंरचना और मजबूत होगी। बयान के अनुसार इस अवसर पर आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बनकर उभरी, जिसमें 850 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया।

इंदौर में होली का सबसे बड़ा और धमाकेदार आयोजनः होलीस्थान 4.0

विजय मत, इंदौर। रंगों का त्योहार होली इस साल इंदौर में और भी खास और भव्य होने जा रहा है। शहर का सबसे बड़ा और चर्चित होली इवेंट ÷होलीस्थान 4.0÷ इस बार लाभ गंगा गार्डन, इंदौर में 4 मार्च को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह इवेंट युवाओं, परिवारों और बच्चों के लिए एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन बनने जा रहा है, जहां रंग, संगीत, मस्ती और स्वादिष्ट खाने का शानदार संगम देखने को मिलेगा।

होलीस्थान 4.0 को इंदौर का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध होली सेलिब्रेशन माना जा रहा है, जहां हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं। इस बार इवेंट का मुख्य आकर्षण रहेगा दो इंटरनेशनल डीजे का लाइव परफॉर्मेंस।

पहली बार इंदौर में किसी होली इवेंट में दो इंटरनेशनल डीजे एक साथ परफॉर्म करने जा रहे हैं ङ्क डी जे कटरीना और डी जे जेनिया । यह म्यूजिक लवर्स के लिए एक ऐतिहासिक और यादगार अनुभव साबित होने वाला है।

पश्चिम एशिया तनाव से तेल बाजार में उबाल

मुंबई । पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव के बीच सोमवार को ब्रेंट कच्चा तेल लगभग 8 प्रतिशत उछलकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में तेल की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है, जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। सबसे बड़ी चिंता स्ट्रेट आफ होरमुज को लेकर है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

बाजार फिर रूस से बढ़ाएगा क्रूड ऑयल की खरीद, देश में कितने दिन का तेल रिजर्व

तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए भारत का प्लान बी तैयार

नई दिल्ली,एजेंसी

ईरान और अमेरिका में जारी युद्ध के बीच भारत ने अपनी तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए प्लान बी तैयार कर लिया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्ति मार्ग के बंद होने से भारत को निकट भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान का सामना करने की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भंडार कम से कम 10 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और ईरान संकट लंबा खिंचता है तो भारत फिर से रूस के साथ तेल खरीद को बढ़ा सकता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबरें भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह संघर्ष बहुत लंबा नहीं चलेगा।

हालांकि, शीर्ष अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि यदि तनाव बढ़ता है तो भारत के पास आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं। उसे अपनी तेल खरीद की रणनीति में भी बदलाव करना होगा और इसके लिए भारत तैयार है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा था कि अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के जवाब में उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकासी बिंदुओं में से एक है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इस रास्ते के बंद होने से भारत पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका है और इन बदलती परिस्थितियों में भारत के पास भी अपनी रणनीति बदलने का अवसर है। अधिकारियों ने कहा कि कम अवधि के लिए इसके बंद होने से भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उसके पास ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति है। हालांकि, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों ने की सौजन्य मुलाकात

● राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कबीरधाम जिला के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

विजय मत/ रायपुर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से आज 16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन की जानकारी साझा की तथा प्रतियोगिता के अनुभव भी बताए। गौरतलब है कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 पैरा खिलाड़ियों ने कुल 32 पदक जीतकर जिले को ओवरऑल चौंपियन बनाया। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे जिले में गर्व और उत्साह का वातावरण है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल पदकों की संख्या नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के संघर्ष, आत्मविश्वास और अटूट हौसले की जीत है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम के दिव्यांग खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि शारीरिक चुनौतियाँ सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि मन में दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने खिलाड़ियों से चर्चा के दौरान कहा कि प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पधाओं में कुल 32 पदक जीतकर पूरे प्रदेश में जिले का नाम गौरवान्वित किया है। पूरे आयोजन के दौरान

कबीरधाम के खिलाड़ियों का दबदबा बना रहा। खिलाड़ियों ने अपने अनुशासन, कठिन परिश्रम, समर्पण और खेल भावना से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हंन बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों के लिए उनके क्षेत्र में ही मिनी स्टेडियम बनाएं जा रहे है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद वास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे, प्रवीण शर्मा, जसबीर सालुजा, शैलेन्द्र उपाध्याय सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अर्जित किए। छोटी मेहरा ने तवा फेंक और गोला फेंक दोनों स्पधाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अनिल कुमार ने गोला फेंक और भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। खिलेश्वर पटेल ने 400 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ तथा लंबी कूद में स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि सुखनंदन निषाद ने 200 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

देव सिंह अहीरे ने भाला फेंक और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किया। अरुण वर्मा ने भाला फेंक, लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक जीते, साथ ही 100 मीटर दौड़ एवं 200 मीटर दौड़ में रजत पदक भी हासिल किए। गांधी कुर्रे ने भाला फेंक और लंबी कूद में स्वर्ण पदक, जबकि 100 मीटर दौड़ और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किए। आमीन खान ने लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक तथा तवा फेंक में रजत पदक जीता। शिवकिंकर नेताम ने तवा फेंक में स्वर्ण पदक, गोला फेंक में रजत पदक और भाला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया।

थानू ने तवा फेंक में रजत पदक जीता, वहीं रामलोचन वर्मा ने भाला फेंक में रजत पदक हासिल किया। केशव ने तवा फेंक और गोला फेंक दोनों में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सरजू कोसले ने गोला फेंक में स्वर्ण पदक तथा तवा फेंक और भाला फेंक में रजत पदक प्राप्त किए। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों से कबीरधाम जिले का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित हुआ है और यह प्रदर्शन आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय में लोगों से की मुलाकात

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम प्रवास के दौरान विधायक कार्यालय में क्षेत्र से आए लोगों से मुलाकात की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को सुना और उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और वे हर संभव प्रयास करेंगे कि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए वे हर समय उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद वास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

देवांगन ने तैलिक विकास समिति के 20 लाख के भवन की रखी आधारशिला

उद्योग मंत्री देवांगन ने कन्नौजिया राठौर समाज के भवन का किया लोकार्पण

विजय मत/ रायपुर

कोरबा विधायक और छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने रविवार को कन्नौजिया राठौर समाज के 25 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन के ऊपरी तल का लोकार्पण और साहू समाज, तैलिक विकास समिति बालको नगर के भवन एवं अन्य विस्तार कार्य लागत 20 लाख का विधिवत भूमि पूजन कर विकास कार्यों की सौगात दी।

मैगजीन भाटा दादर खुर्द स्थित कनौजिया राठौर समाज के वार्षिक सम्मेलन और लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि कन्नौजिया राठौर समाज आज हर क्षेत्र में अग्रसर है, समाज का स्नेह और आशीर्वाद प्रारंभ से मुझे मिलता रहा है,महापौर कार्यकाल में इस भवन की नींव रखी गई थी। पिछली बार कार्यक्रम में समाज ने 25 लाख की लागत के ऊपरी तल के निर्माण के लिए आग्रह किया था, जिसे सहर्ष स्वीकार

करते हुए स्वीकृति दी गई थी। मुझे आज गौरवान्वित महसूस हो रहा है की आज इस परिसर के ऊपरी तल का लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर मंत्री देवांगन ने मंच की विकास कार्य हेतु 7 लाख की अतिरिक्त घोषणा की।

इसी तरह साहू समाज तैलिक विकास समिति बालकोनगर के भवन के भूमि पूजन और स्नेह सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री देवांगन ने भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना कर 20 लाख की लागत से बनने वाले भवन एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि मेहनत और ईमानदारी साहू समाज की पहचान है जिसके कारण समाज आज हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य समाजों को साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता साहू समाज में निहित है। साहू समाज तैलिक विकास समिति बालको नगर को आज 20 लाख की सौगात देते हुए हर्ष हो रहा है। समाज का स्नेह और भक्ति माता कर्मा का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी और ताकत है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा विकास कार्यों के लिए लगातार विकास कार्यों के लिए राशि दी जा रही है, शहर के विकास के साथ-साथ हर समाज की मांग अनुरूप विकास कार्य उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह, पार्षद नरेंद्र देवांगन , मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर , पार्षद मुकुंद कंवर , पार्षद तरुण राठौर , पार्षद सुभाष राठौर , कन्हैयालाल राठौर, समाज के अध्यक्ष सीताराम राठौर, हेमचंद राठौर , राघवेंद्र राठौर , श्याम लाल राठौर, कन्हैया राठौर, जिला पंचायत सभापति सुआशा साव,संजय राठौर, हीरा राठौर,रामकुमार राठौर , चेतन राठौर व जिले भर की इकाईयो से आए समाज के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

हर सार्वजनिक कार्यक्रमों में मंत्री देवांगन आत्मीय रूप से सम्मिलित

कनौजिया राठौर समाज के जिला अध्यक्ष सीताराम राठौर ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है की लखन लाल देवांगन जैसा नेतृत्व कर्ता कोरबा नगर का विधायक और छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री हैं। समाज के हर सार्वजनिक कार्यक्रमों में मंत्री देवांगन आत्मीय रूप से सम्मिलित होते हैं, जब भी समाज ने मांग की है तब तब हर्ष के साथ उन्होंने स्वीकृति दी है। कन्नौजिया राठौर समाज का पूरा आशीर्वाद सदैव मंत्री लखन लाल देवांगन पर बना रहेगा।

ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मिल रहा अवसर

विजय मत/ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की परिकल्पना के अनुरूप राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के साथ-साथ इंजीनियरिंग, मेडिकल, एन.टी.एस.ई., क्लैट, सी.ए., सी.एस. एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत जिला रायपुर में बालक एवं जिला बिलासपुर में बालिका हेतु प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अधिकारियों ने

प्रयास आवासीय विद्यालयों में 10वीं का 99 प्रतिशत से अधिक परिणाम, विद्यार्थियों को मिल रही बहुआयामी सुविधाएं

बताया कि मुख्यमंत्री बाली भविष्य योजना के तहत ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2025-26 में रायपुर एवं बिलासपुर स्थित प्रयास आवासीय विद्यालयों में कुल 750 सीटें स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 350 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है। रायपुर स्थित नवीन प्रयास बालक आवासीय विद्यालय में गणित एवं जीवविज्ञान समूह में 375 सीटें स्वीकृत हैं, जिनमें 350 विद्यार्थी प्रवेश लिए हैं।

वहीं बिलासपुर स्थित नवीन प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय में गणित एवं जीवविज्ञान समूह के लिए 375 सीटें स्वीकृत हैं। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 में प्रयास आवासीय विद्यालयों का परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा है। प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, बिलासपुर में कक्षा 10वीं में पंजीकृत 104 विद्यार्थियों में से सभी 104 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 103 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा केवल 1 विद्यार्थी ने 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त की।

सिरपुर महोत्सव 2026 का भव्य समापन 3 को, मंत्री दयाल दास बघेल होंगे मुख्य अतिथि

विजय मत/ महासमुंद

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का समापन मंगलवार 3 फरवरी को किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल शामिल होंगे तथा अध्यक्षता सांसद रूप कुमारी चौधरी करेंगी।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक महासमुन्द योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक बसना संपत अग्रवाल, विधायक खल्लारी द्वारिकाधीश यादव, विधायक सरायपाली चातुरी नन्द, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष महासमुंद निखिल कांत साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष दिशा दीवान, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बागबाहरा खिलेश्वरी बघेल तथा गणमान्य अतिथि, अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

निपुण भारत मिशनः जनजातीय क्षेत्रों में 18 स्थानीय भाषाओं/बोलियों में दी जा रही प्राथमिक शिक्षा

विजय मत/नई दिल्ली/रायपुर

छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में भाषा की बाधाओं को दूर करने के लिए निपुण भारत मिशन के अंतर्गत 18 स्थानीय भाषाओं और बोलियों में प्राथमिक शिक्षा दी जा रही है। यह कहना है सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल को, जिन्होंने सोमवार को लोकसभा में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सहित देश के जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल से जुड़े शिक्षा सुधार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

अग्रवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निपुण भारत मिशन की प्रगति, क्षेत्रीय एवं भाषाई असमानताओं, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों में एफएलएन परिणामों, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता तथा 2026-27 तक सार्वभौमिक एफएलएन दक्षता प्राप्त करने की कार्यनीतियों पर केंद्र सरकार से जानकारी मांगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, छत्तीसगढ़ जैसे राज्य, जहाँ जनजातीय समुदायों की बड़ी आबादी निवास करती है, वहाँ भाषा की बाधाएँ शिक्षा के मार्ग में एक बड़ी चुनौती रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि, स्थानीय भाषाओं और बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा, डिजिटल एफएलएन सामग्री, स्मार्ट क्लासरूम एवं टैबलेट जैसी सुविधाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही समान शैक्षिक अवसर सुनिश्चित कर सकता है। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में कक्षा स्तर पर भाषा मैपिंग, बहुभाषी शिक्षा का प्राथमिक कार्यान्वयन, शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षण सामग्री, स्टोरी टेलिंग उत्सव, स्कूल म्यूजियम तथा मॉडल बहुभाषी स्कूलों की स्थापना जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद बृजमोहन ने बताया कि समग्र शिक्षा के तहत छत्तीसगढ़ में जनजातीय क्षेत्रों सहित कुल 10,771 स्मार्ट कक्षाएँ स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 5,857 स्मार्ट कक्षाएँ वर्तमान में कार्यात्मक हैं।

एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप से 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई सीजन की शुरूआत

● आज से नया रायपुर के फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में पीजीटीआई सीजन-ओपनर

विजय मत/ रायपुर

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव जी द्वारा पिछले महीने संयुक्त रूप से लॉन्च की गई एएउछ छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 3 से 6 फरवरी तक नया रायपुर स्थित भव्य फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में किया जाएगा। यह टूनार्मेंट 2026 डीपी वर्ल्ड PGTI सीजन का उद्घाटन टूनार्मेंट है।

पिछले वर्ष पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता की इनामी राशि 1 करोड़ रुपये थी, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये कर दिया गया है। टूनार्मेंट सप्ताह की शुरूआत 1 फरवरी को प्रो-एम इवेंट के साथ हो चुकी है।

इस टूनार्मेंट के टाइटल पार्टनर एएउछ हैं, जबकि ठळढउ, ठटउछ और नया रायपुर इवेंट पार्टनर हैं। फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट, नया रायपुर इस आयोजन का मेजबान स्थल है।

हौसलों की उड़ान : सीआरपीएफ जवान से पैरा तीरंदाज बने तोमन कुमार ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रचा इतिहास

विजय मत/ रायपुर

जब इरादे मजबूत हों, तो विपरीत परिस्थितियाँ भी रास्ता रोक नहीं पातीं। बिलासपुर के राज्य प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे पैरा तीरंदाज तोमन कुमार ने इसे साकार कर दिखाया है।

उन्होंने 7वीं एनटीपीसी पैरा राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

पंजाब के एनएसआईएस

पटियाला में 30 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में श्री तोमन कुमार ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक तथा टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को दोहरी सफलता दिलाई। टीम स्पर्धा में उन्होंने अमित कीर्तनिया के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। तोमन कुमार पिछले दो वर्षों से बिलासपुर आर्चरी एकेडमी में तीरंदाजी का नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं।

वे छत्तीसगढ़ पैरा तीरंदाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक श्री मनमोहन पटेल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। उनकी उपलब्धियों में प्रशिक्षक श्री पंकज सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बस्तर क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की उम्मीदें मजबूत हुई

वनमंत्री ने रावघाट-जगदलपुर परियोजना के लिए केंद्र एवं राज्य नेतृत्व का जताया आभार

विजय मत/ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देशभर में अधोसंरचना के विकास को निरंतर गति मिल रही है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य को रेलवे क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए ?7470 करोड़ का रिकॉर्ड रेलवे बजट प्रावधान किया गया है, जिसे राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के वनमंत्री केदार कश्यप ने बस्तरवासियों और पूरे प्रदेश की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। वनमंत्री ने इसे बस्तर अंचल के लिए ह्यमील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह परियोजना क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल है।

रावघाट-जगदलपुर रेलवे परियोजना वर्षों से प्रतीक्षित थी और इसके शुभारंभ के साथ ही बस्तर क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की उम्मीदें

मजबूत हुई हैं। वनमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय संपर्क सुदृढ़ होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित परिवहन साधनों के कारण बस्तर क्षेत्र अब तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा है। यह परियोजना पूरी होने के बाद बस्तर सीधे राज्य और राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ेगा, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा और समय तथा लागत की बचत होगी।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की प्रतिबद्धता और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के सतत मार्गदर्शन के कारण ही आज बस्तर विकास की नई राह पर अग्रसर है।

यह रेलवे लाइन बस्तर के उज्ज्वल भविष्य की ठोस नींव है

वनमंत्री केदार कश्यप ने बताया कि परियोजना के पूरा होने से बस्तर में औद्योगिक और निवेश संभावनाओं को भी मजबूती मिलेगी। खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध यह क्षेत्र नए उद्योगों के लिए आकर्षक बनेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही, कृषि एवं वनोपज आधारित उत्पादों के लिए नए बाजार खुलेंगे, जिससे जनजातीय समुदाय की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। पर्यटन के क्षेत्र में भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत अब बेहतर रेल कनेक्टिविटी के माध्यम से देश-विदेश के पर्यटकों के लिए सुलभ होगी। वनमंत्री ने कहा कि यह केवल एक रेलवे लाइन का निर्माण नहीं है, बल्कि बस्तर के उज्ज्वल भविष्य की ठोस नींव है। यह परियोजना क्षेत्र में विश्वास, विकास और समावेशी प्रगति का प्रतीक बनकर उभर रही है।

दो सड़कों के कार्यों के लिए 27.75 करोड़ स्वीकृत

विजय मत/ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में जन सामान्य को आवागमन सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर जिला बेमेतरा के अंतर्गत बहिंगा तिवरैया सिमगा ग्रामीण पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य लम्बाई 12 किलोमीटर केलिए 11 करोड़ 81 लाख 12 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह बेरला से

कोदवा देवरबीजा करमू मार्ग 22 किलोमीटर का दो लेन मजबूतीकरण कार्य के लिए 15 करोड़ 94 लाख एक हजार रूपए स्वीकृत किए गए है।

क्षेत्र में इन महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों की स्वीकृति मिलने से लोगो का आवागमन और सुविधा जनक हो जाएगा। इन मार्गों के कार्य क्षेत्रीय लोगों के आवागमन के लिए अति महत्वपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। **संपादक**- सीता शुक्ला। **प्रधान संपादक**- विजय शुक्ला ।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997